दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 13 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रात: 05:50 बजे
सूर्यास्त सांय 19:03 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 सरकार की दृढ़ता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 299 | गाजियाबाद, बुधवार 13 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सजा की अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद दोषी को रिहा करें: सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि पूरी करने के बाद भी जेल में बंद है और किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश देते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि यादव ने इस साल मार्च में बिना किसी छूट के 20 साल की सजा पूरी कर ली है। पीठ ने इसके साथ ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को निर्देश दिया कि वे यह पता करें कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद तो नहीं है। यदि कोई दोषी व्यक्ति किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है और निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद हैं तो जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे शीघ्र रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भेजा जाए ताकि इससे राज्यों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों अवगत कराया जा सके।

मोदी और उज्बेक राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उज्बेकिश्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का टेलीफोन आया था। उन्होंने कहा कि उज्बेकिश्तान के राष्ट्रपति ने भारत के आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री और भारत की जनता को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, संपर्क, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत तथा मध्य एशिया के बीच सदियों पुराने संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जन स्वास्थ्य में नए युग का सूत्रपात: मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है। श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य से जुड़ी ऐतिहासिक पहल पर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए यह बात कही। दरअसल श्री नड्डा ने सिकल सेल रोग के बारे में सोशल मीडिया पर अपना लेख पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पीएमओ इंडिया के हैंडल से इसकी प्रतिक्रिया में एक पोस्ट में कहा गया है, " भारत का राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2047 तक सिकल सेल रोग मुक्त भारत के लक्ष्य से जुड़ी इस ऐतिहासिक पहल पर लेख लिखा है, उनके विचारों को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए!"

ओडिशा, पंजाब, आंध्र प्रदेश में चार नई

सेमीकंडक्टर कारखाना परियोजनाओं को मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र ने 4 नए सेमीकंडक्टर कारखाने स्थापित करने के लिए कुल 4600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दी। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं सिकसेम, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीडीआईएल), 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज की ओर से रखी गयी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि इनमें से दो सेमीकंडक्टर कारखाने ओडिशा और एक-एक पंजाब और आंध्र प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे। सिकसेम और 3डी ग्लास की स्थापना ओडिशा में, सीडीआईएल की परियोजना पंजाब में और एएसआईपी आंध्र प्रदेश में स्थापित की जाएगी।

श्री वैष्णव ने कहा, "भारत सेमीकंडक्टर मिशनः भारत के कंपाउंड सेमीकंडक्टर और उन्नत पैकेजिंग क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ गति और बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में गति बढ़ रही है और छह स्वीकृत परियोजनाएँ पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।"

उन्होंने बताया कि इन चार परियोजनाओं में लगभग 4,600 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित होंगी । इनमें 2034 कुशल पेशेवरों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा इस तरह उस क्षेत्र में रोज़गार सृजित होंगे।

आज इन चार और स्वीकृतियों के साथ, भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत छह राज्यों में 10 सेमीकंडक्टर कारखानों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये का संचयी निवेश होगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि ये सेमीकंडक्टर इकाइयां देश में दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा केंद्रों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में सिलिकॉन कार्बाइड (सिक) आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर की एकीकृत सुविधा स्थापित करने के लिए ब्रिटेन की क्लास-सिक वेफर फैब लिमिटेड के साथ सहयोग कर रही है। यह देश का पहला व्यावसायिक कंपाउंड फैब होगा। इस परियोजना में सिलिकॉन कार्बाइड उपकरणों के निर्माण का प्रस्ताव है।

इस कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब की वार्षिक क्षमता 60,000 वेफर और पैकेजिंग क्षमता 960 लाख यूनिट होगी। प्रस्तावित उत्पादों का उपयोग मिसाइलों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), रेलवे, फ़ास्ट चार्जर, डेटा सेंटर रैक, उपभोक्ता उपकरणों और सौर ऊर्जा इन्वर्टर में किया जाएगा।

'आधार, पैन, वोटर कार्ड से कोई भारतीय नागरिकता नहीं बन जाता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि कोई व्यक्ति सिर्फ आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज रखने से भारत का नागरिक नहीं बन जाता। अदालत ने यह टिप्पणी कथित तौर पर बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले एक व्यक्ति बाबू अब्दुल रऊफ सरदार को जमानत देने से इनकार करते हु की।

जमानत अर्जी दाखिल करने वाले उक्त व्यक्ति पर जाली और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में एक दशक से भी अधिक समय तक रहने का आरोप है। न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने कहा कि नागरिकता अधिनियम के प्रावधान यह निर्धारित करते हैं कि भारत का नागरिक कौन हो सकता है और नागरिकता कैसे प्राप्त की जा सकती है। पीठ ने कहा कि आधार कार्ड, पैन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज केवल पहचान या सेवाओं का लाभ उठाने के लिए हैं।

अदालत ने कथित बांग्लादेशी नागरिक बाबू अब्दुल रऊफ सरदार को जमानत देने से इनकार कर दिया, जो बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ था। उसने कथित तौर पर फर्जीवाड़ा कर आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और भारतीय पासपोर्ट जैसे दस्तावेज बनवा लिए थे। भारतीय नागरिकता के लिए 1955 का कानून न्यायमूर्ति बोरकर ने रेखांकित किया कि 1955 में संसद ने नागरिकता अधिनियम पारित किया, जिसने नागरिकता प्राप्त करने के लिए एक स्थायी और पूर्ण प्रणाली बनाई।

संसद सत्र: जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रस्ताव स्वीकार कर समिति का किया गठन
समिति की समय सीमा तय नहीं, यथा शीघ्र देगी अपनी रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए कई सांसदों की तरफ से दिए गए प्रशताव को स्वीकार कर लिया है।

उन्होंने जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार, चेन्नई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवाशतव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बीबी आचार्य शामिल हैं। समिति को रिपोर्ट देने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। 146 सांसदों ने दिया था महाभियोग प्रशताव लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक जस्टिस वर्मा को पद से हटाने का प्रशताव लंबित रहेगा। इससे पहले उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के 146 सदस्यों के हशताक्षर वाला प्रशताव मिला है।

सदस्यों की तरफ से दिए गए इस प्रशताव में जस्टिस यशवंत वर्मा को न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 की धारा 3 के साथ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के साथ पठित अनुच्छेदों 217 और 218 के अंतर्गत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को एक समावेदन प्रशतुत करने का प्रशताव किया गया है। इसके साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ने 15 मार्च को न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से जली हुई नकदी मिलने की घटना का पूरा विवरण भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर जले हुए नोट मिलने के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था।

तथ्य गंभीर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैंः बिरला लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान मामले से जुड़े तथ्य गंभीर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं।

संसद को इस मुद्दे पर एक स्वर में बोलना चाहिए और देश की जनता को भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने का अपना संदेश भेजना चाहिए। इसके बाद उन्होंने जांच के लिए समिति के गठन का ऐलान किया।

आखिरी समय में मुनाफा वसूली से शेयर बाजारों में गिरावट

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद आखिरी समय में हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक गिरावट में बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.49 अंक (0.46 प्रतिशत) लुढ़ककर 80,235.59 अंक पर आ गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 97.65 अंक यानी 0.40 प्रतिशत टूटकर 24,487.40 अंक पर बंद हुआ। सोमवार को दोनों सूचकांक करीब एक प्रतिशत की बढ़त में बंद हुये थे।

निजी बैंकों और वित्तीय सेवा, रियलिटी और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र की कंपनियों में भी बिकवाली हुई। ऑटो, आईटी, धातु और फार्मा सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही।

जहाँ बड़ी और मझौली कंपनियों में निवेशकों ने बिकवाली की, वहीं छोटी कंपनियों में विश्वास दिखाते हुये उन्होंने उनके शेयर खरीदे। एनएसई में निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक बढ़त में रहा।

सेंसेक्स 95.57 अंक की गिरावट में 80,508.51 अंक पर खुला और कुछ ही देर में हरे निशान में चला गया। दोपहर बाद तक सूचकांक में सीमित उतार-चढ़ाव बना रहा, लेकिन आखिरी डेढ़ घंटे में मुनाफा वसूली होने से यह अंत में 368 अंक टूट गया। इस दौरान सेंसेक्स ऊपर 80,997.67 अंक और नीचे 80,164.36 अंक तक गया जो 800 अंक से अधिक का उतार-चढ़ाव है।

इसी प्रकार निफ्टी-50 सूचकांक 21.70 अंक टूटकर 24,563.35 अंक पर खुला। इसका दिन का निचला श्तर 24,465.65 अंक और उच्चतम श्तर 24,702.60 अंक दर्ज किया गया।

विदेशों में एशियाई बाजार हरे निशान में रहे। जापान का निक्केई 2.15 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.25 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.50 प्रतिशत की तेजी में रहा। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.12 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.36 प्रतिशत की बढ़त में था। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर 2.87 प्रतिशत, ट्रेंट का 1.36 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.35 प्रतिशत फिसल गया। एचडीएफसी बैंक, इटरनल और आईसीआईसीआई बैंक में भी गिरावट रही। मारुति सुजुकी का शेयर 2.06 फीसदी चढ़ा। टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़त में रहे।

'वोट चोर गद्दी छोड़': मल्लिकार्जुन खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिये बिना उन पर तीखा हमला किया और कहा कि वोट की चोरी कर सत्ता में बैठे लोगों को सीट छोड़नी चाहिए।

श्री खरगे ने वोट चोरी तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में संसद भवन परिसर में सांसदों के प्रदर्शन में शामिल होने के के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया और श्री मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि 'वोट चोर गद्दी छोड़'।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "वोट चोर-गद्दी छोड़। इंडिया गठबंधन का आज संसद में एक बार फिर प्रदर्शन।"

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी का आरोप लगाया है जिसको लेकर इंडिया गठबंधन के 300 से ज्यादा सांसदों ने सोमवार को संसद से निर्वाचन कार्यलय तक मार्च किया। इस दौरान सैकड़ों सांसदों को हिरासत मे लिया गया था। संसद भवन परिसर में मंगलवार को इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के सांसदों के साथ ही कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, द्रमुक टी आर बालू, राजद के मनोज झा सहित नेता शामिल हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति एक वोट संविधान की नींव है।

चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह एक व्यक्ति एक वोट को लागू करे लेकिन उन्होंने अपना काम नहीं किया। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं और लगातार करते रहेंगे। एक केस 124 साल की मिंता देवी का है, ऐसे बहुत सारे मामले हैं।

'पिक्चर अभी बाकी है', राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर फिर बोला हमला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' को लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'एक व्यक्ति, एक वोट' संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे 'एक व्यक्ति, एक वोट' को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया।

राहुल गांधी ने बिहार की 124 साल की मिंता देवी का जिक्र करते हुए बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए एसआईआर के मुद्दे पर कहा, "केवल एक सीट नहीं है, बहुत सारी सीटें हैं।

यह राष्ट्रीय श्तर पर किया जा रहा है और व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। चुनाव आयोग जानता है और हम भी जानते हैं। पहले हमारे पास सबूत नहीं थे, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। 'एक मतदाता एक मत' संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे 'एक व्यक्ति एक मत' को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। हम (विपक्ष) केवल संविधान की रक्षा कर रहे हैं और करते रहेंगे, रुकेंगे नहीं।" चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बिहार में महिला मिंता देवी की उम्र 124 साल बताए जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, "ऐसे बहुत अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है।" वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम वोट चोरी का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी ने बताया है कि वोटर लिस्ट में सारे फर्जी नाम और पते हैं।

बता दें कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडी ब्लॉक के संसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं ने 'मिंता देवी' नाम की एक कथित 124 साल की मतदाता की तस्वीर वाली सफेद टी-शर्ट पहनी थी, जिसमें लिखा था, '124 नॉट आउट'। इसके जरिए विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

नया आयकर कानून अगले अप्रैल से, हितधारकों के लिए जारी होगा सूचना-मेमो : सीतारमण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि नया आयकर अधिनियम लागू करते समय इसके प्रावधानों पर एक सूचना-पुश्तिका जारी की जायेगी ताकि करदाताओं, पेशेवरों को इसके साथ काम करने में आसानी हो। श्रीमती सीतारमण राज्यसभा में आयकर विधेयक, 2025 तथा कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 पर एक साथ हुई चर्चा का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि नया आयकर विधेयक ऐतिहासिक है।

विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के बीच हुई इस चर्चा पर वित्त मंत्री के उत्तर के बाद सदन ने दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से यथा रूप स्वीकृत कर लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी है। नया आयकर अधिनियम साल 1961 के कानून का स्थान लेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि नया कानून अप्रैल 2026 से लागू किया जायेगा। इसके लिए कर विभाग को अपनी कंप्यूटर गणना- प्रणालियों को 31 मार्च 2026 तक री-सेट (पुनर्निधारित) करना होगा। उन्होंने कहा, 'हम अगल से एक सूचना-मेमो भी लायेंगे ताकि लोगों को नया कानून समझने में आसानी हो। नये कानून का उद्येश्य इसे सरल और करदाताओं के अनुकूल बनाना है और इसमें ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिससे करदातओं पर कर का बोझ बढ़े।" उन्होंने तलाशी में निजता और डाटा की सुरक्षा के मुद्दे पर कुछ सदस्यों की चिंता को दूर करते हुए कहा कि आयकर विधेयक, 2025 में अधिकारियों को कोई नये अधिकार नहीं दिये गये हैं।

इस्तीफा नहीं चाहिए, बाहर करो; राहुल गांधी के कहने पर निकाले गए कर्नाटक के मंत्री

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना को सोमवार को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया। खास बात है कि राजन्ना को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का करीबी माना जाता था, लेकिन कहा जा रहा है कि वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस को ही घेरने के चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। हालांकि, इसे लेकर कांग्रेस या राज्य सरकार ने साफतौर पर कुछ नहीं कहा है।

क्या थी वजह?

एनडीटीवी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चाहते थे कि राजन्ना को निकाल दिया जाए। खास बात है कि राहुल दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ वोट चोरी के मुद्दे पर ही प्रदर्शन कर रहे हैं। सूत्रों ने यह भी बताया है कि राजन्ना आलाकमान के आदेशों को भी नजरअंदाज कर रहे थे और कई मौकों पर नेतृत्व परिवर्तन की बात कह चुके थे।

राहुल ने दावा किया कि महादेवपुरा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। अब इसके बाद राजन्ना ने कह दिया कि कर्नाटक में कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान ही अनियमितताएं हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाए कि ये सब उनकी आंखों के सामने हुआ था। मंत्री के इस दावे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सवाल उठा दिए और विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जोर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सिद्धारमैया से मंत्री के बयान को लेकर चर्चा की। कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया विधानसभा सत्र के दौरान राजन्ना के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैयार नहीं थे। सूत्रों का दावा है कि राहुल गांधी ही राजन्ना को बाहर करना चाहते थे। सूत्रों ने कहा कि आलाकमान राजन्ना को पार्टी से निलंबित करने पर विचार कर रहा है। हाईकमान इस मामले पर वेट एंड वॉच की नीति अपना रहा है।

एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वेणुगोपाल ने राहुल गांधी से बात करने पर जोर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस सूत्र बताते हैं कि राहुल का मैसेज साफ था, मैं उनके इस्तीफे की बात नहीं कर रहा हूं। उन्हें निकालिए।

चर्चा में रहे हैं केएन राजन्ना

जून में ही राजन्ना ने दावा किया था कि प्रदेश कांग्रेस में कई पावर सेंटर हैं और सितंबर में बड़ा फेरबदल हो सकता है। उन्होंने कहा था, सितंबर होने दो...। प्रदेश की राजनीति में कुछ होगा। इसकी शुरुआत (सितंबर के बाद) होगी। साथ ही उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष में भी बदलाव की बात कही थी। खास बात है कि इस पद पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार हैं। उन्होंने दावा किया था कि पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जरकिहोली अगले कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते हैं। तब कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा था कि पार्टी की तरफ से खींची गई लक्ष्मण रेखा पार नहीं करनी चाहिए।

महिला ने प्लेटफार्म पर दिया बच्चे को जन्म

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

मंगलवार को एक महिला ने प्लेटफार्म पर बच्चे को जन्म दिया, वह पति के साथ ट्रेन से यात्रा आकर रही थी। टूंडला के बाद उसे तेज पेट दर्द शुरू हुआ। बोगी में बैठे लोगों ने रेलवे स्टाफ को सूचना दी, ट्रेन जैसे ही अलीगढ़ पहुंची। महिला को उतारा गया। वहां पर रेलवे के डॉक्टरों की टीम पहले से मौजूद थी।

फौरन महिला की डिलीवरी कराई गई। उसने एक बच्चे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, वहां पर दोनों भर्ती हैं।

उनकी हालत खतरे से बाहर है। अवध किशोर (38) बिहार के जिला रोहतास के थाना चेनारी का रहने वाले हैं। दिल्ली में प्राइवेट जॉब करते हैं। पत्नी ललिता (34) के साथ पूर्वा एक्सप्रेस से बिहार से दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने जनरल टिकट लिया था।

आज करीब 4 बजे ट्रेन जैसे ही टूंडला से गुजरी पहुंची। ललिता को पेट में तेज पेट दर्द होना शुरू हो गया। वह बोगी के अंदर दर्द से चीखने लगी।

पति अवध किशोर घबरा गए। वह पत्नी के हाथ पैर दबाने लगे। लेकिन ललिता का दर्द कम होने की बजाए बढ़ने लगा। वह दर्द से छटपटाने लगी। जोर-जोर से हाथ पैर पटकने लगी। अवध किशोर ने बोगी में बैठे लोगों को पत्नी की हालत के बारे में बताया। उनसे मदद मांगी। बोगी में बैठी महिलाएं उसके पास जाकर उसे ढाढ़स बधाने लगी। लोगों ने फौरन रेलवे स्टाफ को इसकी सूचना दी। रेलवे स्टाफ ने ड्राइवर और स्टेशन मास्टर को फोन कर मामले से अवगत कराया। रेलवे के डॉक्टरों की एक टीम फौरन अलीगढ़ के प्लेटफार्म नंबर तीन पर भेजा गया।

आरपीएफ पोस्ट कमांडर इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह के मुताबिक- ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म पर पहुंची। स्ट्रेचर से महिला को बाहर लाया गया। प्लेटफार्म पर आधे घंटे में उसकी डिलीवरी कराई गई। महिला ने बच्चे को जन्म दिया। फौरन एम्बुलेन्स बुलाई गई।

उसके बाद उन्हें मोहनलाल गौतम जिला महिला अस्पताल लाया गया, वहां पर भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने महिला और बच्चे की जांच की, उन्होंने बताया कि दोनों स्वस्थ हैं। उन्हें 24 घंटे तक निगरानी में रखा गया है, जल्द डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

जन्मदिन पर हिंसक झड़प, नशे में कर रहे थे बर्थडे पार्टी

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

मडराक कस्बे में जन्मदिन पार्टी के दौरान मारपीट हो गई। शराब और गांजे के नशे में जन्मदिन मना रहे थे। आसपास रहने वाले लोगों ने विरोध किया। इस पर पार्टी कर रहे युवक भड़क गए। नशे में धुत लोगों ने लाठी-डंडे और कोल्ड ड्रिंक की बोतलों से हमला कर दिया।

हमले में रामदेव शर्मा, नकुल शर्मा, खेरेंद्र बिद्दल शर्मा और संतोष शर्मा समेत 6 लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को पहले सीएचसी मडराक पहुंचाया। वहां से उन्हें मलखान सिंह अस्पताल रेफर किया गया। दो घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल अस्पताल भेजा गया है। घायलों का कहना है कि जब उन्होंने शोरगुल करने से मना किया तो उन पर हमला कर दिया गया। मडराक के इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना का एक वीडियो मिला है, जिसमें लोग मारपीट करते दिख रहे हैं।

एएमयू में फीस वृद्धि का विरोध, यूथ कांग्रेस ने वीसी का पुतला फूंका

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एएमयू प्रशासन के खिलाफ कलेक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में की गई फीस वृद्धि का विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रॉक्टोरियल टीम ने धरना दे रहे छात्र-छात्राओं के साथ अभद्रता की। इसके विरोध में उन्होंने एएमयू के वीसी का पुतला फूंका।

यूथ कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि 15 अगश्त तक बढ़ाई गई फीस को वापस लिया जाए। साथ ही छात्र-छात्राओं के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो 16 अगश्त से वे उग्र आंदोलन शुरू करेंगे।

विश्व संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत किया गया रैली का आयोजन

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

टीकाराम कन्या महाविद्यालय में विश्व संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत प्राचार्या प्रो प्रतिमा श्रीवाश्तव एवं संस्कृत विभाग प्रभारी प्रो सुमन रघुवंशी के निर्देशन में छात्राओं के द्वारा लिखे गए संस्कृत स्लोगन की रैली आयोजित की गई। संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी हैं।

संस्कृत भाषा के माध्यम से ही हम अपनी प्राचीन धरोहर को सुरक्षित रख सकते हैं तथा प्राचीन से नवीनता की ओर ले जाने वाली एक ऐसी भाषा है जो कि हमें संस्कृति और सभ्यता का भी ज्ञान देती है। इस रैली मे प्रो स्मृति कौशिक, प्रो सपना सिंह, प्रो सीमा अग्रवाल, प्रो आरती गहरवार, प्रो शैली शर्मा, प्रो मंजू यादव, डॉ पदमा सक्सेना, डॉ शहला, डॉ सुचेता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय द्वारा अपेक्षित अनुपालन एवं उनके कुशल पर्यवेक्षण में थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त नौमान पुत्र याकूब निवासी निशातबाग सुहैल मस्जिद के पास थाना क्वार्सी अलीगढ़ को एक चोरी के एड्राइड मोबाईल फोन व एक तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ अलीगनर में प्लॉट की चार दीवारी के अन्दर से गिरफ्तार किया।

एएमयू के दो छात्रों ने एशिया रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

दो प्रतिभाशाली छात्र, अमानउल्लाह फारूकी और संतोष जीएम, ने दक्षिण कोरिया में आयोजित 20वीं एशिया रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक अपने नाम किया। दोनों होनहार खिलाड़ी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र हैं। मंगलवार को दोनों खिलाड़ी जिलाधिकारी के आमंत्रण पर कलैक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी संजीव रंजन से भेंट की।

डीएम ने दोनों खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल अलीगढ़ और एएमयू के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश के खेल जगत के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को खेलों के प्रति समर्पण, मेहनत और अनुशासन से आगे बढ़ना चाहिए, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भारत का गौरव बढ़ा सकें। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रशिक्षकों, विश्वविद्यालय प्रशासन और परिवार को दिया, जिन्होंने उन्हें निरंतर प्रोत्साहित किया।

एएमयू के नौनिहालों ने 'हर घर तिरंगा' के जरिए आजादी का जश्न मनाया

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अब्दुल्ला स्कूल में आजादी के जश्न की शुरुआत जोश और देशभक्ति से भरी गतिविधियों के साथ की गयी। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छोटे बच्चों में स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गर्व की भावना को जगाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 5 के छात्रों के लिए एक विशेष सभा से हुई, जो 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का हिस्सा थी। सुपरिंटेंडेंट उमरा जहीर ने छात्रों को संबोधित करते हुए देश के भविष्य को संवारने में युवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। सभा के बाद रचनात्मकता का प्रदर्शन हुआ, जिसमें पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कक्षा 5 के बच्चों ने "विकसित भारत" विषय पर अपने विचार पोस्टरों में उतारे, जबकि कक्षा 2 से 4 के बच्चों ने "स्वतंत्रता" और "देशभक्ति" के विषयों पर रंग-बिरंगे और भावपूर्ण चित्र बनाए।

विधायक अदिति सिंह ने एमएलए प्रतीक भूषण को बांधी राखी

गोंडा, एजेंसी। यूपी विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन सदन में जहां जोरदार हंगामा हो रहा था वहीं इस दौरान परिसर में एक दिलचस्प नजारा भी देखने को मिला। रायबरेली की सदर सीट से भाजपा की विधायक अदिति सिंह ने गोंडा से भाजपा के विधायक प्रतीक भूषण सिंह को राखी बांधी जिसके बाद प्रतीक भूषण ने अदिति सिंह के पैर छुए और आशीर्वाद लिया। गिफ्ट के तौर पर प्रतीक भूषण ने उन्हें रायबरेली की हर बहन की रक्षा का वचन दिया। दिवंगत विधायक अखिलेश सिंह की बेटी अदिति सिंह, पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के बेटे प्रतीक भूषण को पहले भी राखी बांधती रही है लेकिन विधानसभा में उन्होंने पहली बार राखी बांधी तो यह तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो गई।

राखी बंधवाने के दौरान का वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो विधायक अदिति सिंह ने खुद भी 'एक्स' पर शेयर किया है। इसमें प्रतीक भाई-बहन (प्रतीक भूषण और अदिति सिंह) हंसी-मजाक करते भी दिखे। अदिति सिंह ने प्रतीक भूषण की कलाई पर एक के बाद एक दो राखियां बांधीं। इसके बाद प्रतीक भूषण ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। राखी के बदले गिफ्ट देने की बात आई तो प्रतीक भूषण ने एक दिन का भत्ता देने की बात कही। इस पर अदिति ने हंसते हुए कहा कि एक दिन नहीं पूरे महीने का भत्ता लेंगी। इस पर प्रतीक ने हंसते हुए ही जवाब दिया कि पूरे महीने का तो कुछ ज्यादा हो जाएगा।

इस मौके पर विधायक अदिति सिंह ने बताया कि कि वह कई वर्षों से प्रतीक भूषण को राखी बांधती आई हैं। उन्होंने कहा कि प्रतीक भूषण मेरे भाई हैं। इस बार अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में व्यस्त होने के चलते आज हमने रक्षाबंधन बनाया। उन्होंने कहा कि प्रतीक भाई हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं। अदिति सिंह ने इस मौके पर प्रतीक भूषण को जीवन में खूब तरक्की करने का आशीर्वाद दिया।

अदिति सिंह ने एक्स पर शेयर किया वीडियो

बाद में विधायक अदिति सिंह ने विधायक प्रतीक भूषण को राखी बांधने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर खुद भी शेयर किया है।

इस पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'आज उत्तर प्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र के पहले दिन गोंडा से विधायक श्री प्रतीक भूषण सिंह जी की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया।

इस अवसर पर प्रतीक जी ने मेरा चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। साथ ही भावपूर्ण संकल्प लिया कि वे गोंडा ही नहीं रायबरेली की भी हर बहन की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, यह केवल गोंडा और रायबरेली का नहीं बल्कि भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का बंधन है। हमारे दोनों जिलों के लोगों को गर्व होना चाहिए कि गोंडा के एक भाई ने रायबरेली की बेटी को अपनी बहन के रूप में माना है।

लंदन से मुंबई लाई जाएगी मराठा सेनापति रघुजी भोंसले की तलवार

मुंबई, एजेंसी। मराठा साम्राज्य का 18वीं शताब्दी में विस्तार करने वाले प्रसिद्ध मराठा सेनापति रघुजी भोंसले प्रथम की प्रतिष्ठित तलवार 18 अगस्त को लंदन से महाराष्ट्र वापस लाई जाएगी। राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने सोमवार को लंदन में तलवार को अपने कब्जे में ले लिया। एक नीलामी में महाराष्ट्र सरकार ने यह तलवार खरीदी है। माना जाता है कि यह तलवार 1817 में सीताबर्डी के युद्ध के दौरान भारत से बाहर ले जाई गई थी, जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नागपुर के भोंसले को हराया था।

47.15 लाख में खरीदा था

शेलार ने कहा कि यह पहली बार है कि विदेश ले जाई गई किसी ऐतिहासिक वस्तु को नीलामी में जीतकर वापस लाया गया है। मैं एक ऐसी तलवार पाकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं जो कई उपलब्धियों की गवाह रही है। यह पूरे महाराष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक जीत है। सरकार ने कहा था कि प्रतिष्ठित तलवार को लंदन में हुई एक नीलामी में 47.15 लाख रुपए में खरीदा गया था। शेलार ने इस साल 28 अप्रैल से तलवार हासिल करने के लिए देवेंद्र फडणवीस सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया।

अचानक आई थी नीलामी की खबर

शेलार ने बताया कि तलवार एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कलाकृति है और इसे नीलामी के लिए रखे जाने की खबर 28 अप्रैल को अचानक सामने आई। उन्होंने कहा कि दूतावास से संपर्क किया गया और नीलामी में भाग लेने के लिए एक मध्यस्थ नियुक्त किया गया। मंत्री ने कहा कि आज जब मुझे तलवार मिली तो लंदन में बड़ी संख्या में मराठी भाषी लोग मौजूद थे और उन्होंने बड़े उत्साह के साथ इस पल का जश्न मनाया। शेलार ने कहा कि तलवार 18 अगस्त को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पर लाई जाएगी और इसे संगीत और धूमधाम के साथ बाइक रैली के माध्यम से दादर स्थित पी एल देशपांडे कला अकादमी लाया जाएगा और बाद में 'गढ़ गर्जना' नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

माफिया-दंगाई कौन है, जनता जानती है: शिवपाल यादव

लखनउ, एजेंसी। गुंडे, माफिया और दंगाई-सबके सब सैफई परिवार के भाई, डिप्टी सीएम केशव मौर्या के इस बयान सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा व समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने पलटवार किया है। केशव पर हमला बोलते हुए शिवपाल यादव ने कहा है कि गुंडे, माफ़िया और दंगाई कौन हैं, यह यूपी की जनता भली-भांति जानती है।

मंगलवार सुबह शिवपाल यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि केशव जी, गुंडे, माफ़िया और दंगाई कौन हैं, यूपी की जनता सब जानती है। शिवपाल यादव यही नहीं रुके। उन्होंने कि बुलडोज़र से कानून का गला घोंटने वाले, किसानों पर लाठियां बरसाने वाले, किसानों की ज़मीन पर कब्जा करने वाले, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार के संरक्षक, ये सब आपके आंगन के 'भाई' हैं। शिवपाल यादव ने कहा कि सैफ़ई परिवार ने तो अस्पताल, स्टेडियम, नौकरियां और विश्वविद्यालय दिए। आपके 'परिवार' ने क्या दिया?नफ़रत, महंगाई और जंगलराज!

दरअसल, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने मंगलवार सुबह एक्स पर पोस्ट कर सपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गुंडे, माफिया और दंगाई-सबके सब सैफई परिवार के भाई। इस पोस्ट के बाद शिवपाल यादव ने भी जवाब देते हुए हमला बोला।

केशव ने अखिलेश यादव और राहुल पर भी निशाना साधा था

इससे पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए पोस्ट में केशव ने कहा कि सत्ता के लंबे वियोग ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की छटपटाहट बढ़ा दी है। और यह 2047 तक ऐसे ही बरकरार रहने वाली है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं में जनता का कोई भरोसा नहीं है क्योंकि दोनों राजतंत्र के प्रतीक हैं और जनता जनार्दन का मानमर्दन कर लंबे समय तक सत्ता को भोगते रहे हैं। केशव ने लिखा कि जब जनता ने इनकी राजशाही का चोला उतारकर लोकतंत्र के प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में भरोसा जताया तो इन्होंने लोकतंत्र के विरुद्ध ही मोर्चा खोल दिया है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि बुलेट से बैलट पर कब्जा करके राजनीति करने का समाजवादी पार्टी का काला इतिहास रहा है। अब वह ईवीएम का विरोध करके चुनाव को उस लठैतवादी युग में ले जाने की वकालत कर रही है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि उस युग को याद कर समाज आज भी खौफ खाता है।

जन्म दर में और पिछड़ा हिमाचल, कम फर्टिलिटी रेट वाले राज्यों में शामिल

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश देश में सबसे कम कुल प्रजनन दर यानी टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) वाले राज्यों में से एक बन गया है। हिमाचल प्रदेश में बच्चों की जन्म दर में चिंताजनक गिरावट देखी गई है। राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) कार्यक्रम के सलाहकार डॉ. नरेश पुरोहित ने बताया कि मौजूदा वक्त में हिमाचल प्रदेश में औसत प्रजनन दर 1.5 है।

घटती प्रजनन दर चिंता का विषय-सिरमौर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान की ओर से आयोजित प्रजनन क्षमता में गिरावट के कारण चुनौतियां विषय पर ऊना में आयोजित वेबीनार में वर्चुअल माध्यम से अपने संबोधन में फेडरेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विस इंडिया के कार्यकारी सदस्य डॉ. पुरोहित ने कहा कि 75 लाख की आबादी वाले हिमाचल में घटती प्रजनन दर चिंता का विषय है। गोवा और सिक्किम में टीएफआर और भी कम हालांकि गोवा और सिक्किम में टीएफआर यानी टोटल फर्टिलिटी रेट हिमाचल से भी कम है। डॉ. पुरोहित ने बताया कि संतान उत्पति क्षमता में गिरावट वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। भारत में हर चार में से एक दंपति को गर्भधारण करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। गर्भधारण में समस्या बड़ी चुनौती डॉ. नरेश पुरोहित ने बताया कि गर्भधारण करने में कठिनाई की समस्या भारत को प्रजनन संबंधी चुनौतियों का एक संभावित केंद्र बनाती है। गर्भधारण करने में कठिनाई का सामना करने वालों में खासकर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दंपति शामिल हैं। लगातार हो रही गिरावट हिमाचल प्रदेश में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) लगातार गिर रही है।।

ग्रामीणों ने पुलिस पर हमला किया, वर्दी फाड़ी

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

जमुनका गांव में सोमवार देर रात बदमाशों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला बोल दिया। बदमाशों ने पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता की और उनकी वर्दी भी फाड़ दी। इसके बाद जमकर पथराव किया। जिसके बाद पुलिस टीम ने जैसे-तैसे करके अपनी जान बचाई।

घटना की जानकारी मिलने पर देर रात कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई और लोगों को तितर बितर किया। जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस ने माहौल खराब करने वाले सात नामजद समेत एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। चंडौस के गांव जुमनका में शनिवार रात को कुछ आरोपी गांव के धर्मस्थल के प्रांगण में शराब पी रहे थे। जिस पर दूसरे पक्ष ने उन्हें रोका और वहां से जाने को कहा था। जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई थी और जमकर हंगामा हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

पुलिस सोमवार देर शाम को आरोपियों को पकड़ने गई थी, लेकिन आ रो पी पुलिस को नहीं मिले थे। जिसके बाद पु लि स सोमवार देर रात को टीम के साथ दबिश देने के लिए गांव गई थी। पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ भी लिया, लेकिन उनके सहयोगियों ने पुलिस के साथ अभद्रता शुरू कर दी।

इसी दौरान वादी पक्ष के लोग वहां आ गए और उन्होंने आरोपियों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी सद्दाम और हाशिम को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन वहां महिलाएं एकत्रित हो गई और विरोध करने लगी। जिसके बाद अन्य लोगों ने आरोपियों को भगाने का प्रयास किया। दबिश देने के लिए एक दरोगा और सिपाही अपनी प्राइवेट बाइक से गए थे, पथराव में उनकी बाइक भी क्षतिग्रश्त हो गई।

सीओ गभाना संजीव तोमर ने बताया कि गांव में मुख्य आरोपी अली पुत्र मोहम्मद शरीफ के भड़काने पर लोग उग्र हुए थे और हंगामा करने लगे थे। उन्होंने बताया कि इसमें दूसरे पक्ष के लोगों पर भी मारपीट का आरोप है, जिसकी जांच कराई जा रही है।

मुख्य आरोपी अली को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

एएमयू में फिर लगे 'लेकर रहेंगे आजादी' के नारे

✹ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✹

एएमयू में फीस बढ़ोत्तरी के विरोध में छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को भी एएमयू के स्कॉलर ने बाब-ए-सैयद गेट पर प्रदर्शन किया और 'लेकर रहेंगे आजादी' के नारे लगाए।

उन्होंने प्रॉक्टर के इश्तीफे की भी मांग की। विद्यार्थियों का कहना है कि इंतजामिया ने छात्रों के बारे में बिना सोचे ही 42 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। इससे जरूरतमंद परिवार के छात्र इसे भरने में असमर्थ हैं। उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इंतजामिया को जल्द से जल्द अपनी फीस बढ़ोत्तरी वापस लेनी होगी। फीस वृद्धि के विरोध में एक ओर जहां छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विभिन्न संकायों की छात्राएं भी इसमें शामिल हो रही हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्राएं बाब-ए-सैयद पर धरने पर बैठीं। हाथों में पोस्ट बैनर लेकर उन्होंने फीस वृद्धि का विरोध किया और 'लेकर रहेंगे आजादी' के नारे भी लगाए। बीते शुक्रवार को हुए विवाद के बाद लगातार यह नारे लगाए जा रहे हैं।

बीटेक थर्ड ईयर के छात्र अशरफ ठाकुर ने बताया कि- एएमयू में फीस वृद्धि के विरोध में विद्यार्थी शांति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। हमेशा से छात्र अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से रखते आए हैं। लेकिन बीते शुक्रवार को छात्रों के साथ अभद्रता की गई थी। छात्र बाब-ए-सैयद गेट पर नमाज पढ़ने जा रहे थे, लेकिन प्रॉक्टर और उनकी टीम ने छात्रों के साथ अभद्रता और हाथापाई तक की। जबकि पहले भी यूनिवर्सिटी के छात्र बाब-ए-सैयद पर नमाज अदा करते आए हैं।

मारपीट करने के आरोपी को चचेरे भाइयों ने दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की नाई पुरा कॉलोनी में रविवार को दो युवकों ने घर के बाहर गली में बैठे युवक के साथ मारपीट की। युवक ने चचेरे भाई के साथ मिलकर एक आरोपी को धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस व खुखरी बरामद हुई। युवक ने आरोपी को पुलिस को सौंप दिया। नाई पुरा कॉलोनी निवासी सोनू रविवार को घर के बाहर गली में बैठे थे। उनका चचेरा भाई सचिन भी उनके पास आकर बैठ गया। उन्होंने बताया कि गली में कुछ दूरी पर दो युवक एक युवक के साथ गाली गलौज कर मारपीट कर रहे थे। उन्होंने युवकों को मारपीट करने से मना किया तो दोनों युवक उनके साथ गाली गलौज करने लगे। इस दौरान एक युवक ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने चचेरे भाई के सहयोग से मारपीट करने वाले युवक को दबोच लिया। इस दौरान उसका साथी मौके से फरार हो गया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, दो कारतूस व खुखरी बरामद हुई। उन्होंने आरोपी को पुलिस को सौंप दिया। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

इंस्टाग्राम दोस्त के साथ किशोरी लापता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की एक कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय किशोरी अपने इंस्टाग्राम दोश्त के साथ संदिग्ध हालात में लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, किशोरी इंस्टाग्राम पर अजय नामक युवक से बात करती थी। उसकी नोएडा निवासी युवती से भी दोश्ती थी। उक्त युवती भी लापता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नौकरी का झांसा देकर महिला से चार लाख से अधिक ठगे

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। साइबर अपराधियों ने जेपी ग्रीन्स विशटाउन की सोसाइटी में रहने वाली महिला से नौकरी का झांसा देकर चार लाख से अधिक रुपये ठग लिए। आरोपियों ने रुपये वापस करने के नाम पर और अधिक रकम की मांग की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला तुहीद जहां खान ने पुलिस को बताया कि उनके व्हाट्सऐप पर 12 जून को एक लिंक आया। लिंक पर क्लिक करने पर नौकरी के संबंध में जानकारी मिली। बातचीत के दौरान जालसाजों ने उन्हें झांसे में ले लिया। पीड़िता के मुताबिक 12 जून से चार जुलाई के बीच जालसाजों ने उनसे कई बार में चार लाख 17 हजार 387 रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता ने जब नौकरी नहीं लगने पर रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने और अधिक रुपये की मांग की। तब जाकर पीड़िता को आरोपियों के फर्जी होने की जानकारी हुई। आरोपियों के कथित नाम केके मेनन, अनुश्री और जाकिर अहमद हैं। इसके बाद पीड़िता ने साइबर क्राइम पोर्टल पर 18 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के मुताबिक उनके पास यूपीआई की ट्रांजेक्शन, मैसेज के जरिये हुई बातचीत के स्क्रीन शॉट उपलब्ध हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि पीड़िता ने आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत की है। मुकदमा दर्ज कर लिया है। साइबर सेल द्वारा केस की जांच की जा रही है।

सब्जी खरीदने गए युवक का मोबाइल फोन ले गए चोर

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। बिहार के जिला छपरा के सरिया हार्दी गांव के रहने वाले रोजाद्दीन ने सेक्टर-63 थाने में मोबाइल फोन चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि वह छिजारसी कॉलोनी में किराये पर रहते हैं। वह शुक्रवार शाम घर के पास लगने वाली सब्जी मंडी गए थे। वहां एक ठेली पर सब्जी लेने के दौरान दुकानदार से सौदबाजी करने लगे। सब्जी लेने के बाद जैसे ही ऑनलाइन भुगतान करने के लिए मोबाइल निकालना चाहा तो जेब में मोबाइल ही नहीं था। दुकानदार से मदद लेकर अपने नंबर पर कॉल की तो मोबाइल बंद आया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सर्विलांस की मदद से मोबाइल की जानकारी कराई जा रही है।

ताला तोड़कर लाखों की चोरी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी के सेक्टर जू-1 में बंद मकान का ताला तोड़कर 80 हजार रुपये, सोने-चांदी के जेवरात समेत 10 लाख से अधिक का माल चोर उठा ले गए। डेढ़ माह बाद घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई है। निवासी मनमोहन शर्मा 27 जून को मकान का ताला लगाकर पुत्र के पास मुंबई गए थे। 5 अगश्त को रात में मकान का ताला तोड़कर चोरों ने वारदात अंजाम दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने मौके का मुआयना किया। घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कर ली गई है। पुलिस चोरों की तलाश की जा रही है।

पति पर दूसरी शादी करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी की जारचा कोतवाली क्षेत्र के ततारपुर गांव की विवाहिता ने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि विरोध पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पीड़िता ने पति के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आमका गांव निवासी दीपिका गंगा विहार कॉलोनी में परिवार के साथ रहती हैं। दीपिका की शादी 2011 में ततारपुर ऊंचा गांव अमीरपुर में हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से पति कुलदीप मारपीट करता था। इस पर उन्होंने घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत न्यायालय में वाद दायर किया है जो अब कोर्ट में विचाराधीन है। विवाहिता का आरोप है कि जनवरी में उनके पति ने बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली है।

राष्ट्र प्रथम भाव से निकाली तिरंगा यात्रा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भाजपा भाटियाना मंडल के ग्राम ढक्का कर्मचंद में 'राष्ट्र प्रथम' के भाव के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान सैनिक परिवारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव सिसोदिया रहें। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष दानवीर सिंह, हिमांशु पाराशर, राजीव, भानु, गौरव सिंह बढियोवाला, त्रिलोक चंद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित इलाक़े में राहत-बचाव कार्य में लगा जिला प्रशासन : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन एवं तहसील प्रशासन द्वारा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव से संबंधित कार्य के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि जिला बिजनौर की तहसील चांदपुर के 12, तहसील सदर 10 तथा तहसील धामपुर के 15 अर्थात कुल 37 ग्रामों में 2836 परिवारों के 12501 सदस्य बाढ़ से प्रभावित हैं।

उन्होंने बताया कि जिले में एक बाढ़ राहत कैंप तहसील बिजनौर के ग्राम पंचायत इटावा ग्राम घासी वाला में स्थापित है, जिसमें 42 व्यक्ति शरण लिए हुए हैं जबकि तहसील बिजनौर के ग्राम पंचायत इटावा ग्राम घासी वाला (राहत शिविर में) तथा ग्राम रावली एवं ब्रह्मपुरी तथा तहसील चांदपुर के ग्राम खानपुर खादर में स्थापित (राहत शिविर में) किचन संचालित हैं जहां ताजा भोजन बाढ़ पीड़ितों को उपलब्ध कराए जाने की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में कोई भी शहरी क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित नहीं है।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी बाढ़ पीड़ितों को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ खाद्यान्न एवं राहत उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में बाढ़ प्रभावित शिविरों एवं लोगों को आज 1530 खाद्यान्न किटों का वितरण किया गया है, जिनमें बिजनौर तहसील में 468, नजीबाबाद में 150, चांदपुर में 591 तथा धामपुर में 321 खाद्यान्न किटों का वितरण किया गया।

उन्होंने बताया कि गंगा नदी खतरे के निशान से 90 सेमी नीचे तथा खो नदी खतरे के निशान से 65 सेंटीमीटर नीचे प्रवाहित हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि आज शाम 04:00 बजे तक गंगा नदी के जलश्तर एवं डिस्चार्ज की स्थिति गंगा नदी 219.30 (मी0)/160813 क्यूसेक तथा खो नदी 224.60 (मी0)/28292 क्यूसेक रही।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने यह भी बताया कि तहसील चांदपुर एवं धामपुर में पीएसी की 1-1 बटालियन, बिजनौर में एनडीआरएफ तथा चांदपुर में एसडीआरएफ की एक-एक बटालियन बाढ़ से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य के लिए कैंप की हुए हैं।

उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तहसील वार आयोजित मेडिकल कैंपों की जानकारी देते हुए बताया कि तहसील धामपुर के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में 19, चांदपुर में 14, बिजनौर एवं नजीबाबाद में 10-10 तथा नगीना तहसील में 08 मेडिकल कैंपों का आयोजन कर बाढ़ प्रभावितों को चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जिला बिजनौर की किसी भी तहसील सेल में वर्तमान में कोई भी गौशाला प्रभावित नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में तहसील सदर बिजनौर, नजीबाबाद एवं चांदपुर क्षेत्र अंतर्गत 638.07 कृषि क्षेत्रफल बाढ़ से प्रभावित हुआ है, जबकि जिला बिजनौर की तहसील सदर चांदपुर एवं धामपुर में कुल 2005 परिवारों के 8689 लोग प्रभावित हैं।

उन्होंने बताया की फसल क्षतिपूर्ति का भुगतान सर्वे के बाद किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा बाढ़ की रस क्षेत्र में अब तक 156523 पशुओं का टीकाकरण कराया जा चुका है, जबकि जिले में 10 एमवीयू वाहन संचालित हैं, जिनमें से 5 एमवीयू वाहन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से प्राप्त होने वाली इमरजेंसी कॉल पर अपनी सुविधाएं प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा अब तक बाढ़ राहत कार्य के अंतर्गत बाढ़ ग्रश्त क्षेत्रों में 67 मेडिकल कैंप लगाया जा चुके हैं, डोर टू डोर 357 टीम में कैंपेन कर रही हैं, 8590 ओआरएस और दवाइयों का वितरण, 36 ग्रामों में एंटी लारवा का स्प्रे, 142 बाढ़ ग्रश्त क्षेत्रों में डोर टुडे डोर मरीजों का चेकअप कर उनको चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि तहसील बिजनौर के अंतर्गत मालन नदी के बाएं किनारे पर स्थित बाकरपुर-यूसुफपुर तटबंध तथा धामपुर तहसील के अंतर्गत गांगन नदी के दाएं किनारे स्थित नहटौर तटबंध आंशिक रूप से क्षतिग्रश्त हुए हैं, जिनकी मरम्मत का कार्य जारी है।

नदी पर पुल नहीं होने से पानी के तेज बहाव में गयी बुजुर्ग की जान

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

बिजनौर में पुल न होने के चलते बैल बुग्गी में तड़प तड़प कर बुजुर्ग ने तोड़ दिया दम। नदी में पानी ज्यादा होने की वजह से पानी कम होने का करते रहे इंतजार।

नदी पर पुल का ना होना ग्रामीणों के लिए बना अभिशाप। नदी के तेज बहाव के आगे हार गई एक ओर जिंदगी। बुजुर्ग की मौत होने से परिजनों में मचा कोहराम। नदी पर पुल न होने के की वजह से दर्जनों हादसे हो जाते हैं। एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची बिजनौर के थाना बढ़ापुर क्षेत्र के पहाड़ नदी का मामला।

प्रसिद्ध चिकित्सक महबूब अख्तर का हार्ट अटैक से निधन

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर के मोहल्ला चिरंजीलाल निवासी प्रसिद्ध डॉक्टर महबूब अख्तर का सोमवार को देहरादून के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हार्ट अटैक से इंतकाल हो गया है उनका इलाज देहरादून के एक निजी अस्पताल मे चल रहा था जहां देर रात 2:00 बजे हार्ट अटैक से उनका इंतकाल हो गया।

जैसे ही इंतकाल की सूचना परिजनों व नगर वासियों को मिली वैसे ही नगर में गम की लहर दौड़ गई नगर व क्षेत्र गमगीन हो गया व काफी वक्त से बीमार चल रहे थे वह एक समाज सेवी मिलनसार तथा हंसमुख इंसान थे, वह मूल रूप से कस्बा सीयोहारा के निवासी थे।

वह 40 वर्षों से अफजलगढ़ में रह रहे थे उन्होंने स्वास्थ्य में नगर वह क्षेत्र को 40 वर्षों से सेवा दे रहे थे वह अपने पीछे तीन बेटी वह दो बेटे छोड़कर दुनिया से अलविदा कह गए बड़े बेटे मोनिश ने बताया कि वह काफी समय से बीमार चल रहे थे सोमवार की देर रात देहरादून के एक निजी अस्पताल में उनका हार्ट अटैक से निधन हो गया।

जैसे ही देहरादून से उनकी डेड बॉडी उनके घर पर आई वैसे ही पूरा नगर गमगीन हो गया उनके घर पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व विधायक शेख सुलेमान,शेख इरशाद हुसैन, पूर्व चेयर पर्सन पति सलीम अंसारी, पूर्व नगर अध्यक्ष नफीस कुरेशी, पूर्व अध्यक्ष जावेद विकार, मास्टर सलाउद्दीन, पूर्व नगर अध्यक्ष मुकेश उर्फ मुन्ना, मास्टर मोहम्मद असद, सभासद मोहम्मद इमरोज़, सभासद कलवा कुरैशी, वेलफेयर प्रेस क्लब अध्यक्ष विनय भार्गव, भारतीय किसान यूनियन सामाजिक के नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी, हाजी मोहम्मद इदरीस, मौलाना अब्दुल रहीम, उबेद विशाल, आदि मौजूद रहे।

मुजाहिदीन-ए-आज़ादी ने नौजवानों को क़ुर्बानी और सेवा का सबक दिया : क़ारी मोहम्मद अक़दस

एनसीआर टुडे. नगीना। 15 अगश्त के अवसर पर, मुफ्ती जलील अहमद क़ासमी (पूर्व विधायक) मरहूम के पोते क़ारी मोहम्मद अक़दस ने प्रेस नोट में आज़ादी के सेनानियों की सेवाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि आज़ादी के सेनानियों ने अपनी जान, माल और समय क़ुर्बान करके देश को गुलामी से मुक्त कराया।

उन्होंने जुल्म और अन्याय के खिलाफ डटकर संघर्ष किया। उन्होंने जेल की कठिनाइयाँ सही, लेकिन पीछे नहीं हटे आज़ादी का वरदान उनकी मेहनत और बलिदान का परिणाम है। अंत में, क़ारी साहब ने भारत की जनता से अपील की कि हमें हमेशा आज़ादी के सेनानियों की सेवाओं को याद रखना चाहिए और देश की रक्षा करनी चाहिए।

डीएम ने मालन नदी के तटबंध की मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर द्वारा आज मालन नदी के तटबंध की मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया और और विभागीय अधिकारियों को कार्य को पूर्ण गुणवत्ता एवं तेजी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सिंचाई विभाग के अभियंता एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने मालन नदी के तटबंध का निरीक्षण करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरम्मत कार्य को तेजी से संपादित करें और पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को अंजाम दें।

ताकि फसलों आदि को और अधिक नुकसान न होने पाए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा मिट्टी न मिलने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने दारानगर गंज स्थित नहर से निकाली गई मिट्टी को उपयोग में लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कण्व आश्रम का भी निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों को पानी की निकासी एवं मा निर्मित भवनों की समुचित सुरक्षा के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रायपुर मंडल के गांव बूदकी में भाजपा मंडल अध्यक्ष सहदेव भारद्वाज की अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा निकाली गई

एनसीआर टुडे. बुन्दकी। बढ़ापुर विधानसभा के रायपुर मंडल के गांव बूदकी में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष सहदेव भारद्वाज की अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान रहे।

अनिल राणा चेयरमैन गन्ना समिति नगीना, संदीप वर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष, देशराज सिंह मंडल महामंत्री, दुष्यंत सिंह मंडल महामंत्री, मोहित चौहान वरिष्ठ कार्यकर्ता, कपिल देव मंडल मंत्री, तेजपालसिंह मंडल उपाध्यक्ष, हिमांशु राजपूत मंडल मंत्री, राजीव चौधरी मंडल कोषाध्यक्ष, सुधीर कुमार शक्ति केंद्र संयोजक, दीपेंद्र कुमार, नितिन चौहान युवा मोर्चा मंडल महामंत्री, रामावतार शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष, तरुण चौहान, अभिषेक कुमार आद रायपुर मंडल के पदाधिकारी व शक्ति केंद्र संयोजक बूथ अध्यक्ष सभी उपस्थित रहे।

भा.कि.यू. टिकैत के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव जाकर ट्रैक्टर तिरंगा रैली के लिए किया

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्य कर्ता गांव-गांव जाकर ट्रैक्टर तिरंगा रैली के लिए जनसंपर्क किया।लोगों से ज्यादा से ज्यादा ट्रैक्टर तिरंगा रैली में शामिल होने के लिए अनुरोध किया।

लोगों ने ट्रैक्टर तिरंगा रैली में शामिल होने आश्वासन दिया है। सम्पर्क में साथ रहे पंडित उमेश चन्द्र शर्मा जिला प्रचार मंत्री भारतीय किसान यूनियन टिकैत तहसील अध्यक्ष नगीना डॉ धर्मवीर सिंह ब्लॉक कोतवाली अध्यक्ष चौधरी बलजीत सिंह ब्लॉक कोतवाली महामंत्री राहुल चौधरी, सौवीर सिंह, हीमपुर सरदार धीर सिंह, हीमपुर बलराम सिंह, सरदार सुखचैन सिंह, मिठ्ठौ पुर सरदार मुख्तार सिंह, मिठ्ठौपुर सरदार प्रकट सिंह, दोजराजपुर सतीश भरतपुर, लाला मिठ्ठौपुर मुर्तजा भाई तारापुर, सलमान भाई नूरपुर, अर्जुन कृष्णानगर सतीश, कृष्ण नगर बिट्टू भाई कृष्ण नगर महेंद्र प्रधान, नेमीशरण दिनेश कुमार इस्लामाबाद अनील कुमार जिला सचिव बलराम सिंह तमाम कार्य कर्ता मौजूद रहे।

8 वर्ष बाद घर लौटे प्रेमी युगल से मारपीट प्रकरण में पुलिस ने 4 गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव तुराबनगर में 8 वर्ष बाद घर लौटे प्रेमी युगल दम्पत्ति से मारपीट करने वाले नौ लोगों के खिलाफ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके चार आरोपियो को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव तुराबनगर में शुक्रवार की सुबह करीब 10:00 बजे दो पक्षों के बीच पुराने मामले को लेकर मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान अफरा तफरी मच गई। पूर्व प्रधान अबरार अंसारी की बाईक तोड़ दी गई और गुलशन पत्नी शादाब आलम,सदब पुत्री शादाब आलम व शादाब की मां हाशमी घायल हो गए।

घायलों को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से गुलशन व सदब को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब 8 वर्ष पूर्व शराफत की पत्नी गुलशन प्रेम प्रसंग के चलते शादाब आलम के साथ चली गई थी।

इसके बाद गांव में पंचायत हुई। गुलशन ने शादाब आलम से निकाह कर लिया। पंचायत में फैसला हुआ कि गुलशन व शादाब गांव में नहीं रहेंगे।

वह उस समय गांव से चले गए थे। 8 वर्ष बाद करीब 10 दिन पूर्व गुलशन व शादाब आलम गांव तुरबनगर लौट आए थे।

जिसको लेकर शुक्रवार को गांव लौटने का विरोध किया था और इसी मामले को लेकर दोबारा से शुक्रवार को पंचायत होने जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान शराफत पक्ष ने उनके घर में घुसकर मारपीट कर दी।

मारपीट में गुलशन उसकी पुत्री सदब,सास हाशमी घायल हो गई। घायलों को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से गुलशन व सदब को जिला अस्पताल रैफर किया गया है। उधर दूसरे पक्ष ने भी आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

थाना अध्यक्ष धीरज नागर ने बताया है कि नौ लोगों खिलाफ संबंधित धाराओ में मुकदमा दर्जकर आफताब आलम, फहीम, रियासत, अल्तमस को मंगलवार को उनके घर से गिरफ्तार कर संबंधित धारा में चालान कर दिया।

दो लाख झंडे बनाने में जुटीं 300 महिलाएं

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

स्वतंत्रता दिवस की 78 वीं वर्षगांठ पर हर घर तिरंगा योजना के लिए दो लाख झंडे बनाने के लिए 300 महिलाएं लगी हैं। 40 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

यह झंडे 13 से 15 तक प्रशासन की ओर से वितरित किए जाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से इन दिनों हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में रोजाना कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 15 अगश्त को हर घर पर तिरंगा फहराया जाएगा। इसके लिए प्रशासन विभिन्न विभागों को माध्यम से हर घर तक झंडा पहुंचाने की योजना बनाई है।

जिसका जिम्मा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दिया गया है। 40 समूह की लगभग 300 महिलाएं करीब दो लाख झंडे बनाने में जुटी हैं। इन झंडों का वितरण 13 से 15 अगश्त तक किया जाएगा। प्रत्येक झंडे बनाने के लिए मिलेगी 20 रुपये की धनराशि महिलाओं द्वारा बनाए गए झंडों को 13 से 15 अगश्त के बीच जिले के हर घर में फहराया जाएगा।

डीडीओ प्रज्ञा श्रीवाश्तव ने बताया कि प्रत्येक पंचायत को झंडा वितरित किया जाना है। जिसके लिए प्रत्येक पंचायत के हिसाब से झंडे वितरण की सूची निर्धारित की गई है। पंचायत विभाग के द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग को प्रत्येक झंडे के हिसाब से 20 रुपये दिए जाएंगे। जो पैसे महिलाओं को प्रति झंडा 20 रुपये के हिसाब से वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा सरकारी दफ्तरों को झंडा का वितरण किया जाएगा, जिसके लिए विभागों द्वारा धनराशि अदा की जाएगी।

झंडा बनाने के लिए आवश्यक सामग्री जैसे कपड़ा, धागा और अन्य उपकरण महिलाएं द्वारा खुद खरीदे गए है। रोजगार के साथ राष्ट्र प्रेम की भावना इस पहल से न सिर्फ स्वतंत्रता दिवस का उत्साह बढ़ेगा, बल्कि इन महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है। इन महिलाओं को प्रत्येक झंडा बनाने के लिए 20 रुपये की धनराशि मिलेगी। इससे इन महिलाओं को अच्छी आय होगी और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी।

ये महिलाएं दिन-रात मेहनत कर झंडे तैयार कर रही हैं, जिससे जिले में समय पर तिरंगा पहुंचाया जा सके। डीडीओ ने बताया कि यह जिम्मेदारी मिलने से महिलाओं में एक नया आत्मविश्वास आया है। वे सिर्फ झंडा नहीं बना रही हैं, बल्कि राष्ट्र प्रेम की भावना से भी जुड़ रही हैं। यह उनके लिए सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि देश सेवा का अवसर भी है। इन महिलाओं द्वारा बनाए गए झंडे जब हर घर में फहराए जाएंगे, तो यह उनके लिए गौरव का क्षण होगा।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है।

इस तरह के अभियानों से महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और वे समाज में अपनी मजबूत पहचान बना पाएंगी। महिलाएं द्वारा बनाए गए झंडे सभी घरों में लगेंगे जो उनके लिए गौरव की बात है।

ब्लाक परिसर में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड एफएलएन कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ब्लॉक संसाधन केंद्र में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कोडिंग-डिकोडिंग विषय पर विश्तृत चर्चा हुई। एआरपी सुखवीर सिंह, अभिषेक भटनागर एवं हेमराज आर्य ने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा बच्चों के बुनियादी भाषा एवं गणितीय कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों एवं विधियों का प्रशिक्षण दिया। वहीं

संदर्भदाता के रूप में थम्मन सिंह तथा राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक रामअवतार सिंह ने शिक्षकों के साथ अपने अनुभवों को साझाकर उन्हें दिशा प्रदान की। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए अध्यापकों को बच्चों की पढ़ाई सुरक्षित वातावरण में कराने तथा उन पर सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने पर भी जोर दिया।

बस में तोड़फोड़ के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कोतवाली देहात मार्ग पर नहटौर डिग्री कॉलेज के पास रोडवेज बस की चपेट में आने से बाल बाल बचे बाईक सवार युवको ने रोडवेज बस को रोककर बस में तोड़फोड़ कर डाली थी।इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियो को संबंधित धारा में चालान कर दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की सांय को नगीना से वाया नहटौर होते हुए बिजनौर डिपो की बस बिजनौर जा रही थी।

नहटौर में कोतवाली देहात रोड पर डिग्री कालेज के पास अचानक आए दो बाइक सवार रोडवेज बस की चपेट में आने से बाल बाल बच गए। आरोप है कि सड़क पर आए बाईक सवारो से साइड लेने के लिए रोडवेज चालक अर्जुन सिंह ने हॉर्न बजाया था।

जिससे गुस्सा आए युवकों ने बाइक तेज चलाकर बस के आगे लगा दी और बस के रुकते ही शीशा तोड़ दिया। इसके अलावा डंडा उठाकर बस के शीशे तोड़ दिए थे।

थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि इस मामले में नहटौर के मोहल्ला जोशियान पश्चिमी निवासी सोहित, जौनी, दीपक को गिरफ्तार कर संबंधित धारा में चालान कर दिया।

राजस्व विभाग की टीम ने बाढ़ ग्रस्त गांवों में पहुँचकर फसलों के नुकसान का किया आकलन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

क्षेत्र से गुजर रही गांगन नदी का जलश्तर बढने से नदी का पानी गांव अकबरपुर गारब उर्फ सिजौली, मुनीमपुर, साहनपुर नवादा, हरगनपुर, अखेड़ा, दबखेड़ी आदि में भर गया था। जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क नहटौर से कट गया था। एसडीएम धामपुर रितू रानी ने ट्रक्टर ट्रॉली पर बैठकर गांव साहनपुर नवादा, हरगनपुर, अकबरपुर गारब उर्फ सिजौली आदि गांवों का दौरा किया था। साथ ही गांव सिजोली में स्वास्थ्य कैंप लगवाकर दवाईयां वितरित कराईं थी। मामले में राजस्व विभाग की टीम ने गांव अकबरपुर गारब उर्फ सिजौली, मुनीमपुर, साहनपुर नवादा में पहुँचकर बाढ़ से हुए फसल के नुकसान का आंकलन किया। टीम में नायब तहसीलदार राजकमल सिंह, कानूनगो ओमवीर सिंह, लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, चंद्रभान सिंह,

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्यूमैंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1.	कार्य का नाम	सीनियर एडीईएन/एनडीएलएस के अनुभाग में टीआरआर (पी) 2.113 टीकेएम एएनवीटी यार्ड और टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) –12 सेट, टीटीआर (एफएस+सीएस+सीएमएससी)– 13 सेट और टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+सीएमएससी) – 02 सेट।
2.	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये)	Rs. 15616047.24/– (रूपये एक करोड़ छप्पन लाख सोलह हजार सैंतालीस और चौबीस पैसे मात्र।)
3.	बयाना राशि (रूपये)	Rs. 2,28,100/– (रूपये दो लाख अट्ठाईस हज़ार सौ मात्र।)
4.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5.	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	02.09.2025 को 15.00 तक।
6.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जाएगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं: 128-W/280/ई–निविदा सूचना/17/2025-26/W-3 दिनांक: 11.08.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2468/25

संपादकीय

जर्जर स्कूल, खतरे में भविष्य, टूटी छतों और दीवारों के बीच कैसे पलेगी शिक्षा की नींव?

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है और विद्यालय उसके मंदिर। यह वह स्थान है जहाँ बच्चों के सपनों को आकार मिलता है, विचारों को पंख मिलते हैं और भविष्य की नींव रखी जाती है। परंतु दुख की बात है कि भारत में, विशेषकर ग्रामीण इलाकों और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में, इन मंदिरों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अनेक विद्यालयों में छतें टूटी हुई हैं, दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं, बरसात में पानी टपकता है, खिड़कियाँ टूटी हुई हैं, बेंच जर्जर हो चुकी हैं और पीने के पानी तथा शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ ज़िले में एक सरकारी विद्यालय की जर्जर दीवार गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई। यह घटना किसी एक विद्यालय या राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है।

हर बार जब ऐसी दुर्घटना होती है, तो कुछ दिन तक चर्चा होती है, परंतु फिर सब सामान्य हो जाता है, और समस्या जस की तस बनी रहती है। सवाल यह है कि क्या हमें बच्चों की जान जाने के बाद ही जागना होगा? शिक्षा मंत्रालय के ताज़ा आँकड़े बताते हैं कि भारत में पंद्रह लाख से अधिक प्राथमिक और डेढ़ लाख से अधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहाँ भवनों की देखभाल पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। लाखों विद्यालयों में आज भी लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, पीने के पानी की व्यवस्था अधूरी है और अनेक राज्यों में लगभग एक-तिहाई विद्यालय जर्जर या अर्ध-जर्जर स्थिति में हैं।

शिक्षा का अधिकार कानून दो हज़ार नौ ने छह से चौदह वर्ष के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी थी। इस कानून में यह भी स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि प्रत्येक विद्यालय का भवन सुरक्षित, सुसज्जित और बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह है कि काग़ज़ी प्रावधान ज़मीन पर लागू नहीं हुए। जर्जर भवनों में पढ़ने वाले बच्चों पर हर दिन खतरा मंडराता है, और शिक्षा का अधिकार केवल पुस्तकों में सीमित होकर रह जाता है।

बीते नौ वर्षों में देश भर में नवासी हज़ार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। कारण बताया जाता है कि इन विद्यालयों में नामांकन कम हो गया, लेकिन असली वजह यह है कि विद्यालयों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और सुविधाओं के अभाव ने बच्चों और अभिभावकों का विश्वास तोड़ दिया। अभिभावक चाहते हैं कि बच्चे सुरक्षित वातावरण में पढ़ें, इसलिए वे निजी विद्यालयों का रुख करते हैं, भले ही उसके लिए उन्हें कर्ज क्यों न लेना पड़े। परिणाम यह है कि अमीर परिवारों के बच्चे बेहतर सुविधाओं वाले विद्यालयों में पढ़ते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चे जर्जर सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करते हैं या फिर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं।

इससे शिक्षा में गहरी असमानता पैदा हो रही है। जब एक बच्चा वातानुकूलित कक्ष, आधुनिक शिक्षण सामग्री और पुस्तकालय में पढ़ता है और दूसरा बच्चा टूटी बेंच, सीलनभरी दीवारों और टपकती छत के नीचे बैठता है, तो दोनों के लिए समान अवसर कैसे संभव होंगे? यह असमानता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि आगे चलकर रोजगार, आय और सामाजिक स्थिति पर भी असर डालती है। शोध बताते हैं कि असुरक्षित और असुविधाजनक वातावरण में पढ़ने वाले बच्चों में तनाव अधिक होता है, वे विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते और पढ़ाई छोड़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। बरसात के मौसम में कक्षाओं में पानी भर जाता है, गर्मियों में बिना पंखे और हवा के क्लास में बैठना मुश्किल हो जाता है, और सर्दियों में टूटी खिड़कियों से आती ठंडी हवा बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डालती है। हमारे देश में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो दशमलव नौ प्रतिशत ही खर्च होता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय श्तर पर कम से कम छह प्रतिशत की सिफारिश की जाती है। भवनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए जो राशि तय होती है, वह जरूरत के मुकाबले बहुत कम है। इसके अलावा, जो राशि मंज़ूर होती भी है, वह अक्सर नौकरशाही की धीमी प्रक्रिया, ठेकेदारी में भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण पूरी तरह खर्च नहीं हो पाती। यदि स्थिति सुधारनी है तो सबसे पहले विद्यालय भवनों की मरम्मत और सुरक्षा के लिए विशेष कोष बनाया जाए, जिसमें राज्य और केंद्र दोनों मिलकर धन दें। इस कोष का उपयोग पारदर्शी ढंग से हो और प्रत्येक खर्च का हिसाब सार्वजनिक किया जाए।

हर सरकारी विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो, जिसमें भवन की मजबूती, फर्नीचर, बिजली और पानी की व्यवस्था, शौचालय और खेल के मैदान जैसी सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाए। पंचायत, अभिभावक और स्थानीय समाजसेवी संस्थाएँ निगरानी में शामिल हों, ताकि धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके। प्रत्येक खंड श्तर पर ऐसे त्वरित मरम्मत दल बनाए जाएँ, जो वर्षा, भूकंप, तूफान या किसी अन्य आपदा के बाद तुरंत विद्यालयों की मरम्मत कर सकें। मरम्मत और निर्माण के काम में स्थानीय मज़दूरों और कारीगरों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि गाँव में ही रोज़गार भी पैदा हो और काम की गुणवत्ता पर भी निगरानी बनी रहे।

लेकिन केवल भवन सुधारने से समस्या हल नहीं होगी। शिक्षकों की पर्याप्त नियुक्ति, पुश्तकालय, प्रयोगशालाएँ, खेल का सामान और आधुनिक शिक्षण साधनों की उपलब्धता भी उतनी ही ज़रूरी है। विद्यालय का वातावरण तभी प्रेरणादायक बनेगा, जब बच्चे वहाँ सुरक्षित महसूस करें और उन्हें सीखने के लिए सभी साधन उपलब्ध हों। विद्यालय भवन केवल ईंट-पत्थर का ढाँचा नहीं होते, वे बच्चों के सपनों और भविष्य की रक्षा करने वाले किले होते हैं। जब यह किला ही कमजोर और जर्जर हो, तो शिक्षा की नींव कैसे मजबूत होगी? समय आ गया है कि सरकार, समाज और नागरिक सभी मिलकर इन मंदिरों की मरम्मत में जुट जाएँ। शिक्षा में निवेश केवल खर्च नहीं है, बल्कि सबसे लाभकारी पूँजी-निवेश है, क्योंकि एक सुरक्षित और शिक्षित बच्चा ही कल का जिम्मेदार नागरिक बनता है।

यदि हम आज इन टूटी दीवारों और छतों को नहीं सँभालेंगे, तो कल हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इन्हीं मलबों के बीच अपने सपनों की तलाश करेंगी। यह केवल विद्यालय भवनों को सँभालने का सवाल नहीं है, यह भारत के भविष्य को सँभालने का सवाल है।

सरकार की दृढ़ता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा

डा. अश्विनी महाजन

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हश्ताक्षर किए हैं, जिससे कुल टैरिफ अब 50 प्रतिशत हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना है कि यह कदम भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में उठाया गया है।

इसके साथ ही भारत अमरीका के सबसे अधिक कर वाले व्यापारिक साझेदारों में से एक बन गया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ 27 अगश्त, 2025 से प्रभावी होगा। इस वृद्धि से अमरीका को 40 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के भारतीय निर्यात प्रभावित होंगे, जिनमें ऑटो पाट्र्स, कपड़ा और परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और रसायन, आभूषण और समुद्री खाद्य आदि शामिल हैं।

कुछ क्षेत्रों को टैरिफ वृद्धि से छूट भी दी गई है, जिनमें शामिल हैं, फार्मास्युटिकल्स, तैयार इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे स्मार्टफोन और लैपटॉप, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा उत्पाद जैसे तेल, गैस और एलएनजी, तांबा इत्यादि। यदि अमरीकी टैरिफ प्रभाव डालेंगे भी, तब भी अमरीका को भारत का निर्यात अधिकतम 5.7 अरब डॉलर ही गिरेगा। लेकिन आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि 2022 और 2024 के बीच भारत को रूस से तेल आयात करके 33 अरब डॉलर का फायदा हुआ। यानी यदि नफा नुकसान देखें तो भारत को रूस से तेल आयात से इतना फायदा है कि उसे अमरीकी टैरिफ की परवाह करने की जरूरत नहीं।

इस बीच ट्रंप ने चीन सहित रूसी तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर संभावित 'द्वितीयक प्रतिबंध' लगाने का भी संकेत दिया है। समझना होगा कि अमरीका का टैरिफ बढ़ाने का निर्णय डब्लूटीओ के नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है। इससे पहले जुलाई 30, 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा, अनिर्दिष्ट 'दंड' लगाने की भी घोषणा की थी। उन्होंने यह कहा कि भारत रूस से प्रतिरक्षा हथियार और कच्चा तेल खरीद रहा है, इसलिए उसे दंड के रूप में ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।

वाश्तविकता यह है कि भारत स्वाभाविक रूप से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए रक्षा उपकरण खरीदने और जहां से भी कच्चा तेल मिले, उसे सबसे सश्ते दामों पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि घरेलू मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना रहे।

इस बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि अगर अमरीका सोचता है कि वह इस तरह की धमकियां देकर हमारे देश को दबा सकता है, तो उसे अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है। आज का भारत एक दशक पहले जैसा भारत नहीं है। हम हथियार उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को दिखा दिया है कि हम सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हैं।

अमरीका को समझना होगा कि विश्व अब एकध्रुवीय नहीं रह गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमरीका ने ऐसे समय में एक रणनीतिक साझेदार के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने का फैसला किया है जब अमरीका समेत पूरी दुनिया को चीन द्वारा व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के हथियारीकरण से उत्पन्न कहीं अधिक बड़ी चुनौती का सामूहिक रूप से जवाब देने की जरूरत है। दुर्लभ मृदा निर्यात पर बीजिंग के प्रतिबंधों ने दुनिया भर में विनिर्माण क्षमताओं को खतरे में डाल दिया है। यही समय है कि अमरीका और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देकर इस समस्या का समाधान करने के लिए हाथ मिलाएं। भारत सरकार वाश्तव में बधाई की पात्र है कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के दौरान दबाव के बावजूद दृढ़ता से खड़ी है। पारस्परिक शुल्कों की धमकियों और 9 जुलाई और 31 जुलाई की

समय सीमा चूक जाने के बावजूद, भारतीय वार्ताकारों ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादो, डेयरी आयात और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए हमारे बाजारों को जबरन खोलने के प्रयासों का सही ढंग से विरोध किया है।

यह उल्लेखनीय है कि अमरीका दुनिया भर के देशों पर (डब्लयूटीओ के नियमों के विरुद्ध) दबाव बना रहा है कि वे अपने-अपने देशों में अमरीका से आने वाले सामानों पर शुल्क कम करें। हाल के दिनों में, जब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत-अमरीका व्यापार वार्ता में तेजी आई थी और रिपोट्र्स में तेज गति से बातचीत के संकेत मिल रहे थे, ट्रंप का यह बयान कि भारत के साथ अभी भी कोई समझौता नहीं हुआ है, इस बात का प्रमाण है कि भारत अमरीका के दबाव का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर 2017 से ही चर्चा चल रही है।

लेकिन अभी तक यह समझौता सिरे नहीं चढ़ पाया है, यहां तक कि सीमित श्तर पर भी नहीं। कई बार यह समझौता लगभग तय लग रहा था, लेकिन अचानक कुछ रुकावट आ गई और बातचीत ठंडे बश्ते में चली गई। आखिरी बार ऐसा 2020 में हुआ था। मीडिया में खबरें आ रही थीं कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर हश्ताक्षर होने वाले हैं, लेकिन तब भी भारत ने दबाव का विरोध किया और संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अपना भारत दौरा रद्द करना पड़ा। मौजूदा वार्ताओं में अमरीका मांग कर रहा है कि भारत उसकी जीएम फसलों के लिए बाजार पहुंच दे, चिकित्सा उपकरणों पर नियमों में ढील दी जाए और डेटा के मुक्त प्रवाह की अनुमति दी जाए।

वाश्तविकता यह है कि भारत अपने किसानों और कृषि सुरक्षा के मद्देनजर जीएम के आयात की अनुमति नहीं दे सकता और न ही अपने चिकित्सा उपकरण उद्योग के विरुद्ध अमरीका की नियमों में ढील को स्वीकार कर सकता है। संवेदनशील डेटा संप्रभु देश के नियंत्रण में ही रहना चाहिए, जो हमारे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के साथ जुड़ा हुआ है। भारत ने इस्पात, ऑटोमोबाइल और दवा शुल्कों से छूट की वैध मांग की है और डेटा स्थानीयकरण की अपनी नीति का बचाव किया है। हमें समझना होगा कि व्यापार समझौता हो या न हो, अमरीका को भारतीय निर्यात पारस्परिक आर्थिक लाभ के आधार पर जारी रहेगा ही। हमें ऐसी रियायतों से बचना चाहिए जो हमारे किसानों, लघु उद्योगों या दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता को कमजोर करती हैं।

हाल के वर्षों के अनुभव से पता चला है कि भारत अपने मूल हितों से समझौता किए बिना, वैश्विक व्यापार पैटर्न में बदलाव का लाभ उठा सकता है, जिसमें अमरीका-चीन तनाव के कारण उत्पन्न परिवर्तन भी शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि अब टैरिफ का निर्धारण विश्व व्यापार संगठन द्वारा अमरीका के लिए निर्धारित दरों के आधार पर नहीं, बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप की मनमर्जी, तथाकथित पारस्परिकता के विचार या अनैतिक रूप से गैर-व्यापारिक मुद्दों का हवाला देकर किया जा रहा है।

आज भारत के लिए लैटिन अमरीकी देशों सहित अन्य देशों के साथ अपने व्यापार में विविधता लाने का एक अवसर भी है। भारत को अपने दृढ़ रुख पर अडिग रहना चाहिए। व्यापार पारस्परिक लाभ के लिए है और अमरीका कोई एहसान नहीं कर रहा है क्योंकि आयात उसकी घरेलू मांगों को पूरा करने के लिए है और 25 प्रतिशत का आयात शुल्क उसके अपने नागरिकों के लिए मुद्रास्फीती ही बढ़ाएगा। इसलिए भारत के लिए यह अल्पकालिक नुकसान हो सकता है, लेकिन यह अमरीका से आयात की जा रही कई वश्तुओं पर आत्मनिर्भरता का अवसर प्रदान करेगा।

आज जरूरत इस बात की है कि हम विश्तारित ब्रिक्स देशों और वैश्विक दक्षिण में अपने व्यापार में विविधता को बड़ा कर नए बाजारों की तलाश भी जारी रखें। हमारे पास अमरीका से रक्षा उपकरण, हवाई जहाज और कई उच्च कीमत वश्तुओं को नहीं खरीदने और अमरीकी कंपनियों पर शिकंजा कसने संबंधी कदम उठाने जैसे विकल्प भी खुले हैं।

(लेखक पूर्व कालेज प्रोफेसर है)

मालेगांव बम कांड पर अदालती फैसला : क्राइम बट नो पनिशमेंट

राम पुनियानी

सन् 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले का लंबे समय से प्रतीक्षित फैसला मुंबई की विशेष अदालत ने सुना दिया है। फैसले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया है। यह इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारजनों और घायलों के लिए एक बड़ा धक्का है। हिन्दुत्वादियों के लिए यह जश्न का सबब है। कई लोगों का पहले से ही लग रहा था कि फैसला इसी तरह का होगा।

पिछले 17 सालों में जांच एजेंसियों ने अपना रूख बदल लिया, खासकर 2014 के बाद। बम विस्फोट करने वालों ने इसे एक मोटरसाईकिल के जरिए अंजाम दिया था। बम विस्फोट में इश्तेमाल किया गया आरडीएक्स उस समय फटा जब आसपास मुसलमानों की भीड़ जमा थी। विस्फोट में 6 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। यह घटना रमजान के महीने में हुई थी।

भोपाल से भाजपा की पूर्व लोकसभा सदस्य प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सेना के सेवारत अधिकारी ले। कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय उन सात लोगों में शामिल थे जिन्हें आरोपी बनाया गया और गिरफ्तार किया गया।

शुरू में इस मामले की जांच महाराष्ट्र के आतंक विरोधी दश्ते (एटीएस) के हाथ में थी। फिर सन 2011 में यह प्रकरण राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। अदालत ने कहा कि प्रकरण में आरोपियों का हाथ होने का गहरा संदेह है लेकिन अभियोजन इसे शंका के परे सिद्ध नहीं कर सका है इसलिए सभी आरोपियों को बरी किया जा रहा है।

हिंदू दक्षिणपंथियों ने इस फैसले की काफी सराहना की और साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भगवा आतंकवाद का नैरेटिव स्थापित करने का आरोप भी लगाया, जिसके चलते कई दक्षिणपंथी को कठघरे में खड़ा किया गया।

इस संबंध में कोई राय कायम करने के पहले इस घटना की जांच के बारे में कुछ बातों की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। मामले की जांच करने वाले अधिकारी हेमंत करकरे ने इसकी शुरूआत एबीव्हीपी की पूर्व कार्यकर्ता साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की मोटरसाईकिल से की। जांच आगे बढ़ने पर आरोपियों की भूमिका सामने आई और उन्हें गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र के इस इलाके में सबसे पहले विस्फोट अप्रैल 2006 में नांदेड में हुआ था। राजकोंडवार के मकान में एक बम फटा। इस मकान में एक बम तैयार किया जा रहा था और किसी गलती के चलते वह फट गया। राष्ट्र सेवादल के पूर्व अध्यक्ष डॉ।

सुरेश खैरगार के नेतृत्व वाले एक नागरिक जांच दल ने इस मामले की जांच की। इस घटना में दो युवक-हिमांशु पानसे (27) और नरेश राजकोंडवार (26) मारे गए और तीन-योगेश देशपांडे (24), मारूति वाघ (23) और गुरूराज टुपटेवार (25)- गंभीर रूप से घायल हुए। इस मकान पर बजरंग दल का झंडा फहरा रहा था। मौके पर नकली दाढ़ी-मूंछ और पायजामा कुर्ता भी पाए गए।

इसी दौरान परभणी, पनवेल और जालना में भी कुछ बम विस्फोट हुए। चूंकि हेमंत करकरे मालेगांव के 2008 के बम विस्फोट की बारीकी से जांच कर रहे थे और आरोपियों को गिरफ्तार कर रहे थे, इसलिए भाजपा के सहयोगी दल अविभाजित शिव सेना के प्रमुख बाल ठाकरे ने अपने अखबार सामना में लिखा कि हिंदू विरोधी क्रियाकलापों के कारण 'हम करकरे पर थूकते हैं'। तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष लालकृष्ण आडवानी ने कहा था कि आरोपियों को यातनाएं दी जा रही हैं।

26/11/2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में हेमंत करकरे मारे गए, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी, जो उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे, एक करोड़ रूपये का चैक करकरे की विधवा पत्नि को देने के लिए पहुंचे, जिन्होंने

विनम्रतापूर्वक उसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इन्हीं मोदी ने करकरे के बारे में कहा था कि वे राष्ट्रीय हितों के विपरीत कार्य कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने प्रज्ञा ठाकुर और अन्यों को गिरफ्तार किया था। और अब मार डाले जाने के बाद उन्हीं करकरे को शहीद बताया बताया जा रहा था। जांच के दौरान हिंदुत्ववादियों द्वारा इस तरह की टिप्पणियां किए जाने से व्यथित होकर करकरे अपनी ही जमात के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जूलियो रिबेरो, जो एक बहुत ईमानदार और श्रेष्ठ अधिकारी रहे थे, से मिलने गए थे।

रिबेरो ने उनके उत्तम एवं निष्पक्ष कार्य की सराहना करते हुए उनसे कहा था कि वे अपना काम पूर्ण व्यावसायिक दक्षता से जारी रखें।

करकरे की दुःखद मौत के बाद प्रज्ञा ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम का अपने अनुसार विवरण पेश किया। उनकी वाहवही कर रहे भाजपा नेताओं से घिरी प्रज्ञा ठाकुर ने पत्रकार वार्ता के दौरान करकरे को 'राष्ट्र विरोधी' और 'धर्मविरूद्ध' बताया। उन्होंने कहा ''केवल सवा महीने बाद आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी''।

आतंकी विस्फोटों के अन्य मामलों (अजमेर, मक्का मस्जिद एवं समझौता एक्सप्रेस) में स्वामी असीमानंद को गिरफ्तरी किया गया था। उन्होंने गिरफ्तारी के बाद मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष इन मामलों में अपने शामिल करने की बात स्वीकार की थी।

उनकी स्वीकारोक्ति स्वेच्छा से की गई थी और तीस हजारी न्यायालय के मेट्रोपोलिटन मस्जिट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 164 के प्रावधानों के तहत 18 दिसंबर को दर्ज की गई थी।

स्वामी का बयान उनके 48 घंटे न्यायिक हिरासत में रहने के बाद दर्ज किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे यह बयान किसी दबाव या धमकी के चलते न दे रहे हों। अपने बयान में उन्होंने स्वीकार किया कि वे और अन्य हिन्दुत्व कार्यकर्ता मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर हुए बम विस्फोटों में शामिल थे क्योंकि वे हर इस्लामिक आतंकी घटना का जवाब 'बम के बदले बम' की नीति के तहत देना चाहते थे।

कुछ समय बाद वे अपने कथन से यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन्होंने ऐसा दबाव के चलते कहा था। यह दावा अत्यंत आश्चर्यजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि पुलिस अधिकारियों के समक्ष दिया गया बयान तो दबाव की वजह से हो सकता है लेकिन जज के सामने ऐसा होना बिल्कुल अलग बात है। न्यायिक हिरासत के 48 घंटे में वे पूरे मामले के हर पहलू पर विचार कर सकते थे। यह अपने सहयोगियों और पितृ संगठन को बचाने के उद्धेश्य से बाद में चली गई सोची-समझी चाल लगती है। विधिक सहायता मिलने के बाद वे अपने वक्तव्य से पीछे हट गए।

ये बयान कैरावान में प्रकाशित होने के बाद काफी खलबली मची। स्वामी असीमानंद कैरावान के संवाददाता को दिए गए साक्षात्कारों में कही गई बातों से पीछे हट गए। पत्रिका के संवाददाता और संपादक अपनी बातों पर कायम रहे और उन्होंने साक्षात्कार की सामग्री की सत्यता की पुष्टि करने के लिए आडियो रिर्काडिंग के कुछ हिस्से भी सार्वजनिक कर दिए। कैरावान में प्रकाशित सामग्री से न केवल न्यायालय में उनके द्वारा कही गई बातों की दुबारा पुष्टि हुई बल्कि मामले के कई नए आयाम सामने आए। (द बिलीवरः स्वामी असीमानन्दस रेडिकल सर्विस टू द संघ, लीना गीता रघुनाथ, 1 फरवरी 2014)

हाल के समय में एक अन्य बड़े मामले में फैसला आया जो मुंबई में ट्रेनों में हुए विस्फोटों से संबंधित था। इसमें मुस्लिम आरोपियों को दोषमुक्त घोषित करते हुए रिहा किया गया और सरकार ने तुरंत इस फैसले के खिलाफ अपील कर दी। नांदेड़ मामले में अदालत के फैसले को लेकर दक्षिणपंथियां में जश्न का माहौल है और सरकार द्वारा इसके खिलाफ अपील किए जाने के कोई संकेत नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि अदालत का फैसले की निर्धारित तिथि के ठीक पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।

ऐसा कहकर उन्होंने आतंकवाद को धर्म से जोड़ दिया। उन्होंने जानबूझकर यह बात भुला दी कि महात्मा गांधी का हत्यारा गोडसे और राजीव गांधी की कातिल धानु और बहुत से अन्य आतंकी हिंदू धर्म के थे। हालाँकि यह बात पूर्णतः सत्य है कि आतंकवाद का किसी भी धर्म से कोई नाता नहीं है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पूरे देश के आवारा कुत्तों पर कार्रवाई क्यों नही?

अशोक मधुप

दिल्ली एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली/ एनसीआर के नागरिक प्रशासन और स्थानीय निकाय को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश दिये गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि 'एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है।पीठ ने स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि आठ हफ्तों में वे आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाने की जानकारी दें। अदालत ने कहा कि आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस काम में आड़े आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।पीठ ने ये भी कहा कि 'एमसीडी/एनडीएमसी और दिल्ली एनसीआर के संबंधित प्राधिकरण दैनिक आधार पर आवारा कुत्तों को पकड़ने का रिकॉर्ड रखें और पकड़े जाने के बाद एक भी आवारा कुत्ता वापस छोड़ा नहीं जाना चाहिए और सभी को आश्रय स्थल में रखा जाए।'

पीठ ने कहा कि अगर इस मामले में लापरवाही की गई तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।अदालत ने कहा आवारा कुत्तों के बारे में शिकायत मिलने के चार घंटे के भीतर कार्रवाई होनी चाहिए और कुत्तों की नसबंदी के बाद उन्हें वापस पुरानी जगह न छोड़ा जाए। अदालत ने कहा कि रेबीज की वैक्सीन की उपलब्धता भी चिंता का कारण है। अदालत ने वैक्सीन की उपलब्धता की भी पूरी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि नवजात, छोटे बच्चे किसी भी कीमत पर इन आवारा कुत्तों के शिकार नहीं बनने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक हेल्पलाइन स्थापित करने के भी निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि एक हफ्ते में हेल्पलाइन स्थापित की जाए, ताकि इस पर लोग कुत्तों के काटने की घटनाओं को रिपोर्ट कर सकें। न्यायालय ने कहाकि 'आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखें, अड़ंगा डालने वालों पर कार्रवाई करें'।

जस्टिस पारदीवाला ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि 'नसबंदी हो चुकी है या नहीं, सबसे पहली चीज है कि समाज आवारा कुत्तों से मुक्त होना चाहिए। एक भी आवारा कुत्ता शहर के किसी इलाके या बाहरी इलाकों में घूमते हुए नहीं पाया जाना चाहिए।

हमने नोटिस किया है कि अगर कोई आवारा कुत्ता एक जगह से पकड़ा जाता है और उसकी नसबंदी करके उसे उसी जगह छोड़ दिया जाता है, ये बेहद बेतुका है और इसका कोई मतलब नहीं बनता। आवारा कुत्ते क्यों वापस उसी जगह छोड़े जाने चाहिए और किस लिए?' पीठ ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं और इस मामले में तुरंत दखल दिए जाने की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने भी अदालत से अपील की कि

वे इस मामले में सख्ती से दखल दें ताकि आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान हो सके। मेहता ने कहा कि नसबंदी से कुत्तों की सिर्फ संख्या बढ़नी रुकती है, लेकिन रेबीज का संक्रमण फैलाने की उनकी क्षमता कम नहीं होती।

सवाल यह है कि ये आदेश दिल्ली /एनसीआरके लिए ही क्यों हैं।देश में भी तो नागरिक रहते हैं। उनके लिए क्यों नही। आवारा कुत्तों का आंतक तो पूरे देश में है। देश में कुत्तों के काटने से औसतन प्रति वर्ष 29 हजार से ज्यादा व्यक्ति मरते हैं। यह तो संख्या वह है जो रिपोर्ट हो जाती है। गांव देहात के मामले से रिपोर्ट ही नही हो पाते। न वे खबरों की सुर्खियां बनते हैं।

उत्तर प्रदेश का बिजनौर बहुत छोटा जिला है। यहां हाल ही में 24 जुलाई की शाम थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव झाड़पुरा भागीजोत में खेत पर काम कर रहीं 65 वर्षीय वृद्धा को आवारा कुत्तों के झुंड ने नोच कर मार डाला। तीन अगश्त को हीमपुर दीपा के गांव गांगू नंगला में हिंसक कुत्ते ने हमला कर दो बच्चों सहित 10 लोगों को बुरी तरह से घायल कर डाला। छह जून 2025 को अफजलगढ़ में पांच साल की बच्ची यास्मीन को आवारा कुत्तों के झुंड ने नोच-नोचकर मार डाला. दरअसल, बच्ची मां के साथ दूध लेने गई थी और पीछे रह जाने पर बच्ची कुत्तों के हि लग गई। 23 अक्तूबर 2023 को देश की प्रमुख चाय कंपनियों में से एक वाघ बकरी चाय के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पराग देसाई का निधन हो गया है।

मीडिया खबरों के मुताबिक 49 साल के पराग पिछले हफ्ते अहमदाबाद में मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इस दौरान आवारा कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। खुद को बचाने में वह फिसलकर गिर गए और उन्हें ब्रेन हेमरेज होने से निधन हो गया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय ने पिछले साल संसद में हुए एक सवाल का जवाब देते हुए बताया कि 2019 में 72 लाख 77 हजार 523 कुत्तों के हमले रिपोर्ट हुए। वहीं साल 2020 में कुल 46 लाख 33 हजार 493 कुत्तों के हमलों रिपोर्ट हुए, जबकि साल 2021 में कुल 1701133 कुत्तों के काटने के मामले रिपोर्ट हुए। साल 2022, जुलाई तक भारतीय लोगों पर हुए कुत्तों के हमले की कुल संख्या स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, 14 लाख 50 हजार 666 थी। इन हमलों में कई लोगों ने अपनी जान भी गंवाई है। ये हमले आवारा और पालतू दोनों कुत्तों के हैं। इसके साथ ही इन हमलों के शिकार, बच्चे, बुजुर्ग और जवान तीनों हुए हैं।

साल 2018 में मेडिकल जर्नल लैंसेट में छापी इस रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में हर साल 20 हज़ार लोग रेबीज के कारण मरते हैं. इनमें से ज्यादातर रेबीज के मामले कुत्तों द्वारा इंसानों तक पहुंचे हैं। ऐसा नहीं है कि हर कुत्ते के काटने से आपको रेबीज हो सकता है, लेकिन ज्यादातर आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज का खतरा रहता है। कुत्तों के इन हमलों के सबसे ज्यादा शिकार छोटे बच्चे, महिलाएं और जवान होते हैं।

सुप्रीम कार्ट को यह समझना होगा कि अवारा कुत्तों की परेशानी दिल्ली– एनसीआर में ही नही है, ये पूरे भारतवर्ष की समस्या है। देश के देहात के तो हडवार (मरे जानवर डालने के स्थान के पास) रहने वाले कुत्ते तो और भी ज्यादा खतरनाक होते हैं। ये महिलाएं, बीमार और बच्चों समेत अकेले आते जाते व्यक्ति को मारकर उसके मांस से अपना पेट भरतें हैं। आवारा कुत्तों की समस्या भारत व्यापी है। इसलिए इस मामले पर कार्रवाई भी देशव्यापी होनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

धूमधाम से निकल गई नगर में तिरंगा यात्रा

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई विद्या मंदिर भिक्कावाला से शहीद स्मारक शिव मंदिर भिक्कावाला होते हुए कालागढ़ झंडा चौक पर राष्ट्रगान होने के बाद समापन किया जिसमें मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश बंजारा व मंडल महामंत्री (तिरंगा यात्रा संयोजक) विनोद धारियावाल, जिला अध्यक्ष खेल सिंह राजपूत किसान मोर्चा, भाजपा जिला अध्यक्ष मलकीत सिंह अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा, ग्राम प्रधान गितेंद्र सिंह, ग्राम अध्यक्ष अनिल नेगी, मंडल उपाध्यक्ष अमरीक सिंह ,मंडल मंत्री मोहित राजपूत, विकास पाल मंडल मंत्री, कैलाश थपरियाल,जगमोहन नेगी, मनदीप रौतेला सेक्टर संयोजक ,रतिराम पाल जी, बूथ अध्यक्ष मोहित त्यागी, कुनाल चौहान, अमित बंसल, विदिप म्याल, महिमानंद, लेखपाल प्रधानाचार्य विद्या मंदिर ,पुनीत पाल आचार्य व विद्या मंदिर अध्यापक अध्यापिका, विद्यार्थी भूतपूर्व सैनिकों का भाजपा कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। तिरंगा यात्रा संयोजक विनोद धारियावाल ने अपील की 15 अगश्त हर घर तिरंगा लगायें और शाम को सूर्यास्त से पूर्व सम्मान पूर्वक उतार लें लगा ना रहने दें।

ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी के नेतृत में निकल गई तिरंगा रैली

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

सब्जी मंडी से निकाली गई तिरंगा यात्रा में लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।तिरंगा यात्रा चांदपुर चुंगी पर जाकर संपन्न हुई।

मंगलवार को सब्जी मंडी से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी व मंडल प्रभारी अनिल चौहान ने संयुक्त रूप से किया।तिरंगा यात्रा सब्जी मंडी महकमा पीर शहीद काला होली चौंक धर्मशाला बागवान नकटा से होते हुए चांदपुर चुंगी पर जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर एडवोकेट अर्पित गुप्ता, शोभित त्यागी, सभासद मुकेश गुप्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष सिद्धांत जैन,डाक्टर शंशाक गौतम, अभिनव जैन, देवराज चौधरी प्रमोद शर्मा शुभम त्यागी, प्रशांत वर्मा, राजीव अहलावत, बृजपाल प्रजापति डॉ ए.के. दक्ष, कृष्णा वर्मा, अंक्षित जैन, विनिता शर्मा, राजेश चंद्रा, शिवम त्यागी, ट्विंकल डबास, बृजपाल प्रजापति, पीके शर्मा,दीपक शर्मा, अनुज धीमान, सावन वाल्मीकि, शुभम चौधरी, तेजपाल सैनी आदि मौजूद रहे।

भाजपाईयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

आंकू मंडल में भाजपाईयों ने बारिश के दौरान भी पूरे जोश के साथ विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा विभिन्न स्थानो से निकाली गई। तिरंगा यात्रा के माध्यम देश भक्ति का संदेश दिया गया।

जानकारी के अनुसार आंकू मंडल अध्यक्ष राकेश सैनी के नेतृत्व में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें उपस्थित रहे तिरंगा यात्रा मुख्य अतिथि भाजपा के किसान मोर्चा के जिला महामंत्री शोभित त्यागी, ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी, मंडल महामंत्री पवन दक्ष, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कपिल चौधरी, बूथ अध्यक्ष अरविंद कुमार, हुकम सिंह, धर्मपाल सिंह आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भारी बारिश के बीच भी आकू मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई।

मुख्य अतिथि शोभित त्यागी ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओ के साथ ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बाढ़ पीड़ितों को बाटी राशन सामग्री की किट

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

क्षेत्र के ग्राम धामपुर हुसैनपुर में आज भाजपा विधायक अशोक राणा के पुत्र प्रियंकर सिंह राणा ने पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु राशन किट उपलब्ध कराई गई। राशन किट में प्रतिदिन प्रयोग की जाने वाली आटा,चावल, दाल व अन्य जरूरी सामान शामिल था।

आपको बताते चले कि जनपद बिजनौर में पिछले दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार वर्षा के कारण नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मुख्य मार्ग सहित ग्रामीण क्षेत्र के मार्ग में एवं लोगों के घरों में तीन से चार फीट तक पानी भर गया है ।जिस कारण लोगों को घर से बाहर निकलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में प्रियंकर राणा द्वारा पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पूरे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ जनपद बिजनौर में भी बाढ़ पीड़ित लोगों की सहायता हेतु राशन किट उपलब्ध कराई जा रही है।

वाराणसी में एक श्रीलंका..., यहां के ग्रामीण मांग रहे पक्का पुल; चंदा जुटा करते हैं निर्माण

वाराणसी, एजेंसी। ई पुल बन गयल होत त गुलाब राजभर क पतो मोना (24) बच गयल होतीन। फुलवरिया जाय बदे ओनकरे परिवार क लोगन पिसौर पुले से होके अस्पताल लेके गइलन। मोना के बच्चा ते पैदा हो गयल लेकिन ओन ना बच पइलिन। दनियालपुर जब से टूटल हौ तब से पूरा गांव क मनई परेसान हो गयल हउवन...।

यह कहते-कहते 61 वर्षीय मुनकी दानियालपुर-फुलवरिया पुल की ओर देखने लगती हैं, जो दुर्गंध मार रहे वरुणा नदी पर थी। वह टूट चुकी थी। बांस-बल्ली और लकड़ियों को नदी का पानी बहा ले गया था। पुल का आधा हिस्सा नदी में ही टंगा हुआ है। उधर, गांव वाले हर साल की भांति इस साल भी चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। जल्द ही पुल को इस बार भी बना लिया जाएगा तो गांव वालों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुचारू रूप से मिलने लगेंगी। गांव के लोग आज भी पक्का या पीपा पुल का सपना देख रहे हैं।

दानियालपुर गांव में मात्र एक प्राइमरी स्कूल है। गांव के लड़के और लड़कियां फुलवरिया के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इस पुल (चहवा) के टूट जाने से उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अन्य काम भी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के 66 वर्षीय शहादुल पटेल ने बताया कि जिन्हें सायकिल चलाने नहीं आती वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। यहां अधिकतर लड़कियां सायकिल नहीं चला पातीं, इसलिए वे भी घर पर बैठ गई हैं। इस वक्त अन्य बच्चे पिसौर पुल से स्कूल जा रहे हैं, लेकिन उन्हें सात से आठ किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है।

गांव की अनोखी विशेषता

इस गांव को श्रीलंका का टापू भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरब-पश्चिम और दक्षिण की तरफ वरुणा नदी बहती है। उत्तर की तरफ शिवपुर रेलवे स्टेशन है। हर साल जुलाई के बाद यह पुल बारिश के कारण बह जाता है। तीन-चार महीने के बाद इसे दोबारा बनाया जाता है। गांव वाले चंदा इकट्ठा करते हैं। बंसवाड़ी से बांस काट बजरिए वाहन नदी किनारे लाकर 15-20 दिन में इस चहवा को तैयार किया जाता है, जिसका काम अब शुरू हो चुका है।

पिसौर वार्ड नंबर 49 के पार्षद गोविंद पटेल ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में सेतु निगम ने पुल के लिए सर्वे किया था। लेखपाल ने सीमांकन किया। निशान भी बना दिए गए, लेकिन कुछ महीने बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वे बताते हैं कि दानियालपुर पांच से छह किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की आबादी तकरीबन छह से सात हजार है। इस पुल के माध्यम से यहां के लोगों को काफी सहूलियत हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके प्रस्ताव को नगर निगम में पेश किया जाएगा।

गांव के क्षेत्रफल के हिसाब से यहां के लोगों ने एक राजकीय विद्यालय और खेलकूद के मैदान की भी मांग की है। पार्षद ने बताया कि गांव वालों ने अपनी काफी जमीनों को यहां के विकास के लिए दे दिया। यही कारण है कि यहां पिच-सीसी रोड और इंटरलॉकिंग का कार्य हो सका। गांव में अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। यहां काफी जमीनें हैं, जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले जा सकते हैं। जल्द ही इस पर भी काम किया जाएगा।

तीनों तरफ वरुणा नदी से घिरे दानियालपुर गांव के कई खेत बाढ़ में डूब जाते हैं। बाढ़ जाने के बाद यहां की स्थिति और भी बद्तर हो जाती है। हर वक्त पानी में दुर्गंध उठती रहती है। इसका कारण पूछने पर गांव के सूरज, चंद्रप्रकाश, अनिल, राजू, खरपत्तू सहित कई महिलाओं ने बताया कि भिटारी के पास रेलवे का कारखाना है, जहां से भारी मात्रा में गंदगी वरुणा में ही गिराई जाती है। सारी गंदगी नदी के मोढ़ पर इकट्ठा हो जाती है। इस कारण मछलियां तो मरती ही हैं, साथ ही पानी भी गंध मारने लगता है।

क्या कहते हैं सांसद

चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुर विधानसभा के इस गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी है। 2007 में मैंने ही यहां बांस की पुलिया बनवाई थी। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ इसलिए हर साल चंदा इकट्ठा कर गांव वाले इसे बनवा रहे हैं। यह मामला विधानसभा से जुड़ हुआ है, फिर भी गांव के लोगों का मुझसे काफी जुड़ाव है। मैं इसको संज्ञान में लेकर संबंधित लोगों से बातचीत कर यहां पक्का या पीपा पुल का निर्माण करवाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि रेलवे से गंदगी वाली जो समस्या है, इसकी जांच कर समाधान करवाउंगा।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल, रनवे पर विमान हादसे के दौरान बचाव और राहत का अभ्यास

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल दो वर्ष में एक बार की जाती है। इसका उद्देश्य विमान दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं की तैयारी और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना है। ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, एयरपोर्ट अग्निशमन, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट से संबंधित सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। रनवे पर एक बस को विमान के रूप में खड़ा किया गया था और ड्रिल के दौरान आपातकालीन सेवाएं अपनी भूमिका निभाती दिखाई दीं। ड्रिल के दौरान विमान दुर्घटना की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल विमान दुर्घटना की स्थिति में तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत बनाने के लिए किया गया है।

दो बाइकों को टक्कर मारते हुए पोल से टकराकर पलटा ट्रक

सफीपुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक दो बाइक में टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

हरदोई से भूंसी लादकर उन्नाव जा रहे ट्रक का सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर के पास ब्रेक फेल हो गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के विपरीत दिशा में पहुंच गया। ट्रक बाइक सवार हसनगंज कोतवाली के कमलेश कुमार (28) और अजगैन के जगदीश (25) को टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराकर खंती में पलट गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। ट्रक चालक हरदोई निवासी सूरज ने बताया कि ब्रेक फेल होने से सामने से आए वाहन को बचाने में घटना हो गई।

स्कूल से गायब हेडमास्टर व दो शिक्षकों पर कार्रवाई

सरैंया , एजेंसी। बीईओ सिराथू के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सरैंया के प्रधानाध्यापक व दो शिक्षक अनुपस्थित रहे। बीईओ ने सभी का वेतन रोक दिया। इसके साथ ही निपुण आकलन का निरीक्षण किया। सिराथू बीआरसी के 12 विद्यालयों में मंगलवार को निपुण आकलन परीक्षा हुई। बीईओ ने इसका निरीक्षण किया। बीईओ प्राथमिक विद्यालय सरैया पहुंचे तो यहां तैनात प्राध्यापक कृष्ण कुमार पांडेय, शिक्षक कुमारी उषा व संजय कुमार नहीं मिले। बीईओ ने तीनों का वेतन रोक दिया। वहीं, 14 विद्यालयों में परीक्षा हुई। बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत बच्चे मौजूद रहे।

होटल का भंडाफोड़ करने वाली महिला को धमकी

गुरसहायगंज। सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद कराने वाली महिला पर हमला कर घायल करने वाले दबंग फिर से धमकी दे रहे हैं। मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

कस्बे के मोहल्ला रामकृष्ण नगर में संचालित एक होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ मोहल्ले के लोगों ने कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद करवा दिया था। इससे नाराज होटल संचालक के समर्थकों ने 16 दिसंबर को देर रात रैकेट का भंडाफोड़ करने और अनैतिक कार्य का विरोध करने वाली महिला रेनू चतुर्वेदी पर घर में घुसकर हमला बोल दिया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मामले में तीसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों पर कठोर करवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। रेनू चतुर्वेदी के पति देवनारायण चतुर्वेदी ने एसपी अमित कुमार आनंद को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि होटल संचालक के समर्थकों ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हो जाने से नाराज होकर पत्नी पर हमला बोल दिया था। इसके बावजूद पुलिस ने करवाई नहीं की। उन्होंने दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मौसम ने लिया यू-टर्न, पारा गिरने के साथ ही बढ़ी गलन

इन जिलों के लिए जारी हुई ओले गिरने की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को बूंदाबांदी से मौसम बदल गया। लोगों ने गलन महसूस की। बूंदाबांदी व बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में 4.1 डिग्री की गिरावट से हवा में ठंडक घुल गई। सोमवार की रात के पारे में 5.3 डिग्री तक का उछाल रहा, जो सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले 48 घंटों में रात के पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 से 28 दिसंबर के बीच फिर से हल्की से मध्यम बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं। दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 19.6 डिग्री और रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बूंदाबांदी से राजधानी की हवा की सेहत में थोड़ा सुधार देखने को मिला। मंगलवार को छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से सिर्फ लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब और अलीगंज की हवा नारंगी यानी खराब श्रेणी में रही। गोमतीनगर, बीबीएयू, कुकरैल और तालकटोरा की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुई।

उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग मौसम ने करवट लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट आएगी। अगले दो दिन तात्कालिक तौर पर मौसम साफ रहने के संकेत है। 27 दिसंबर से बारिश के साथ दिन व रात के तापमान में फिर से बदलाव दिखेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 27 व 28 दिसंबर को प्रदेश विभिन्न इलाकों गरज चमक के साथ हल्के से मध्यम बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। इस बीच तराई इलाकों के साथ ही आगरा आदि में ओले गिरने की भी संभावना है। साथ ही दिन व रात के पारे में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ेगी।

सोमवार की देर रात से ही पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज के साथ पड़ी फुहारों के बाद मंगलवार को सुबह राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, आगरा, बरेली और मेरठ आदि में हल्की बारिश देखने को मिली। ज्यादातर इलाकों में तापमान में उतार चढाव के बीच दिन भर बादल छाए रहे।

दिन में बढ़ी गलन

बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिन के पारे में गिरावट से हवा में गलन भी रही। हालांकि सोमवार की रात के पारे में उछाल देखने को मिला। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले 48 घंटे में दिन व रात दोनों के तापमान में उतार-चढाव देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर बर्फबारी से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग समेत पर्वतीय इलाके बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। लगातार हिमपात ने दुश्वारियां भी बढ़ा दी हैं। कई हाईवे और सड़कें बंद हैं। वहीं, हिमाचल के रोहतांग व कूफरी में भारी बर्फबारी के चलते 10 हजार सैलानी फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के कारण तीन एनएच और 115 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। बर्फ हटाने के लिए 268 मशीनें तैनात की गई हैं। 70 विभागीय जेसीबी, 96 किराये की मशीनें, 13 उन्नत स्नो ब्लोअर और 13 बुलडोजर वर्तमान में काम कर रहे हैं। पंजाब में घना कोहरा देखने को मिला है। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में बारिश भी हुई। राजस्थान के गंगानगर, अनूपगढ़, चुरू और बीकानेर में 10 मिमी तक बारिश हुई। राजस्थान में अगले तीन दिन और मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन ओले-बारिश का अलर्ट है। इसके चलते राजस्थान सरकार ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है।

किसानों की गांधीगीरी... तीन किमी तक लेटकर आंदोलन, सड़क पर बैठकर अफसरों को सुनाई खूब खरी-खोटी

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर के चरथावल में विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत में अफसरों के नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने लेटकर जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। एसडीएम सदर निकिता शर्मा और सीओ राजू कुमार साव ने किसानों के काफिले को रोककर समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। शाम सात बजे मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक सप्ताह में मांगों पर ठोस कार्रवाई करने सहमति के बाद धरनारत किसान शांत हुए।

पिछले आंदोलनों में आश्वासन के बावजूद किसी मुद्दे पर मांग पूरी न होने पर किसानों ने अफसरों को सड़क पर बैठाकर नाराजगी जताई। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाकियू युवा के मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पंचायत शुरू हुई। दो घंटे तक संबंधित विभाग के अफसरों के नहीं पहुंचने पर गुस्साए किसानों ने जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। किसान सड़क पर लेटकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े।

पूर्व पंचायत में विकास शर्मा ने कहा चरथावल-थानाभवन मुख्य मार्ग के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयुक्त किए जाने की जांच एवं दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने, चकबंदी विभाग में किसानों का उत्पीड़न, दो बार आंदोलन के बावजूद सिकंदरपुर गांव में हिंडन नदी पर स्थायी पुल नहीं बनने, सिचाई विभाग की नहरों और

रजबहों की सफाई में घोटाले की जांच कराई जाएं। चरथावल कस्बे में मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का रुका कार्य अफसरों और व्यापारियों के बीच हुई सहमति के मुताबिक जल्द शुरू कराया जाए।

चरथावल कस्बे में पाइप लाइन की वजह से कस्बे की तमाम सड़कों को तोड़कर गड्ढ़े बना दिए हैं। कस्बे की सड़कों को पुनः निर्माण कराया जाए। भुगतान समय से नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के कई गांवों के किसान थानाभवन की बजाज शुगर मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं करना चाहते हैं। उनकी व्यवस्था गन्ना विभाग दूसरी मिल के केंद्रों पर कराए।

जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया और रोहाना और बिरालसी गन्ना समिति सचिव एसपी सिंह ने मौके पर कहा कि समस्या के संबंध में गन्ना आयुक्त लखनऊ को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। मंडल युवा महासचिव निखिल चौधरी, रूपक चौधरी, नगराध्यक्ष सौरभ त्यागी, राहुल त्यागी, राज सिंह ठाकुर, पप्पू राणा, सोनू ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ज्ञानामाजरा रूपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दौर की वार्ता विफल

एसडीएम सदर एवं कई विभाग के अफसर चरथावल पहुंचे। उन्होंने कमला फार्म के सामने किसानों के जत्थे को रोककर समस्याएं सुनीं। लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण वार्ता विफल हो गई। पुनः किसानों का काफिला यहां से आगे बढ़ गया। सांझ ढलने और अंधेरे में पुलिस बल के साथ अफसर आगे चलते रहे। इससे पूर्व चकबंदी विभाग और सिचाई विभाग के अफसरों को सड़क पर बैठाकर प्रदर्शनकारियों ने खरी खोटी सुनाई। हिंडन पर स्थायी पुल नहीं बनने को लेकर खासी नाराजगी रही।

धरने पर दो किसानों की बिगड़ी हालत

ब्लॉक अध्यक्ष पवन त्यागी चौकड़ा एवं मनोज शर्मा महरायपुर के किसानों की हालत ठंड में बिगड़ गई। एसडीएम सदर ने दोनों को सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसओसी, चकबंदी अधिकारी रामकेश, तहसीलदार सदर राधेश्याम, नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक प्रवीण गुप्ता आदि कई विभाग के अधिकारी काफिले के साथ मौजूद रहे। करीब सात घंटे पंचायत और प्रदर्शन में वार्ता का दौर चला। शाम देर शाम सात बजे डीसीओ के मौके पर आने के बाद सहमति बनी। किसानों की समस्याओं को एक सप्ताह में नियमानुसार पूरा कराने पर भरोसा दिया। कस्बे से तीन किलोमीटर दूर संजीवनी हॉस्पिटल के सामने हुई दूसरे दौर की वार्ता के बाद किसान लौट गए।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रेविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्रेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैं: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्क्रिप्ट पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.